संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 22
पृष्ठ 8
बुधवार
08 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- केवल चर्बी नहीं ब्राउन फैट...

विचार- मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

सीएम योगी का सपा पर तंज, बोले-

इनके चेहरे दोहरे, हर कार्य को वोटबैंक की दृष्टि से देखते हैं

भारत के देवतुल्य ऋषियों की परंपरा ने सभी कालखंड में समाज का किया मार्गदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर भी देंगे। जब अकाउंट में कॉरपोरेशन से पैसा आएगा तो यह व्यवस्था करेंगे कि दुर्भाग्य से किसी सफाई कर्मचारी के साथ घटना–दुर्घटना हुई या वह आपदा की चपेट में आ गया तो बैंक से बात करेंगे कि बैंक के माध्यम से 35–40 लाख रुपये देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यूपी के 80 हजार होमगार्ड को यह कवर दे दिया गया है। अब सफाई कर्मचारियों को इस व्यवस्था से जोड़ने जा रहे हैं। सीएम योगी मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह में शामिल हुए। सीएम ने भगवान वाल्मीकि की जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। कार्यक्रम में लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम योगी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारत के महापुरुषों की परंपरा के भाग्य विधाता हैं। तप और साधना से तपे हुए ऋषि को जब लेखनी चलानी थी, तब लोककल्याण व मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने और नई कृति की रचना के लिए उन्होंने हजारों वर्ष पहले देवर्षि नारद से प्रश्न किया कि चरित्र से युक्त कौन ऐसा व्यक्ति है, जिसके बारे में मैं कुछ लिख सकूं, क्योंकि महर्षि वाल्मीकि जानते थे कि चरित्र से युक्त व्यक्ति ही लोककल्याण व राष्ट्र कल्याण का माध्यम बन सकता है। स्वामी विवेकानंद जब शिकागो की धर्मसभा में गए तो उनकी वेशभूषा देख विदेशी हंस रहे थे। तब उन्होंने कहा कि तुम्हारी पहचान पहनावे से बनती है, लेकिन हमारे देश और हमारी पहचान चरित्र से बनती है। हमारे लिए चरित्र महान है। सीएम योगी ने कहा कि वाल्मीकि रामायण लिखते समय उन्होंने पूरी कथा को राम पर आधारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि राम को क्यों आधार बनाया, क्योंकि राम ही साक्षात धर्म हैं। मानव समाज भगवान वाल्मीकि का कृतज्ञ है। जब भी किसी भारतीय के मन में संदेह पैदा होता है तो महर्षि वाल्मीकि ने हर स्थिति में जो आदर्श रखा, वह मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का था। उन्होंने राम के चरित्र को दिया, जो हर काल, देश, परिस्थिति में प्रासंगिक है। भाई–भाई, पिता–पुत्र, मां–बेटे, राजा–प्रजा में क्या रिश्ते होने चाहिए, उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम कहकर यह भाव भरा। राम ने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का कभी उल्लंघन नहीं किया।

सीएम योगी ने कहा कि भगवान वाल्मीकि की फोटो लगाकर आज हर देव मंदिर में अखंड रामायण पाठ चल रहा है। सीएम ने अपील की कि महर्षि वाल्मीकि का चित्र हर भारतीय के घर में होना चाहिए। भारत का हर कथावाचक सबसे पहली वंदना भगवान वाल्मीकि की करते हैं। वह जिस पीठ पर बैठते हैं, वह सबसे पवित्र व्यास पीठ कही जाती है। भारत के देवतुल्य ऋषियों की परंपरा ने सभी कालखंड में समाज का मार्गदर्शन किया। रामायण कालखंड में महर्षि वाल्मीकि, महाभारत कालखंड में महर्षि वेदव्यास, मध्यकाल में सद्गुरु रविदास और देश जब आजादी की लड़ाई लड़ रहा था तो बाबा साहेब समाज का मार्गदर्शन करते दिखाई देते थे। सभी की दृष्टि एक है। पीएम मोदी इसे एक भारत–श्रेष्ठ भारत, सबका साथ और सबका विकास कहते हैं। सीएम ने कहा कि रामराज्य वही है, जहां जाति, मजहब, संप्रदाय के नाम पर भेदभाव न हो। आज यही कार्य भाजपा की डबल इंजन सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग श्रीराम को गाली देते हैं, वे भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं। भगवान वाल्मीकि का अपमान करने वाले भगवान राम का भी अपमान करते हैं। उन्होंने वोटबैंक के नाम पर जाति का सहारा लेने वालों पर हमला किया। सीएम ने कहा कि 2012 में जब सपा सरकार आई थी तो सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक को तोड़ने की धमकी दी थी, तब भाजपा ने कहा था कि इन स्मारकों को तोड़ने वालों को यूपी की जनता तोड़कर रख देगी। आज यह लोग प्रत्येक प्रेसवार्ता में बाबा साहेब का स्मरण करते हैं, लेकिन तब सपा के मुख्यमंत्री ने कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब का नाम बदल दिया था।

सेना ने एलओसी पार आतंकी ठिकानों को किया तबाह, दिखाई ताकत : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान के नियंत्रण वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 65वें पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि बदलते भू–राजनीतिक माहौल और सुरक्षा संदर्भ गतिशील प्रतिक्रियाओं की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल के रूप में परिवर्तित करने में लगा हुआ है, जो बहु–क्षेत्रीय एकीकृत अभियान में सक्षम हो। राष्ट्रपति ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सशस्त्र बलों ने एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया। सेना के तीनो अंगों की बेहतर प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप प्रभावी तालमेल स्थापित हुआ। मुर्मू ने सशस्त्र बलों के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, नियंत्रण रेखा के पार और सीमा पार के क्षेत्रों में अंदर तक आतंकी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के सफल अभियान के पीछे यही तालमेल था। राष्ट्रपति ने कहा कि एकजुटता को बढ़ावा देने की प्रक्रिया सैन्य मामलों के विभाग के गठन के साथ शुरू हुई, जिसके सचिव प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि एकीकृत थिएटर कमांड और एकीकृत युद्धक समूहों की स्थापना के माध्यम से सशस्त्र बलों के पुनर्गठन के प्रयास चल रहे हैं। मुर्मू ने कहा कि सार्वभौमिक मूल्य हमारे राष्ट्रीय हितों को परिभाषित करने के मूल में हैं और भारतीय परंपरा ने हमेशा पूरी मानवता को एक परिवार के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, संपूर्ण विश्व एक परिवार है, यह समृद्ध भावना वसुधैव कुटुम्बकम में व्यक्त होती है।

कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई जांच और कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दूषित कफ सिरप पीने से कम से कम 14 बच्चों की मौत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर इस याचिका में देश भर में सभी दूषित कफ सिरप बैचों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें वापस मंगाने तथा सभी सिरप–आधारित फ़ॉर्मूलेशनों की अनिवार्य जाँच की भी माँग की गई है। अन्य राज्यों में हुई ऐसी ही घटनाओं का हवाला देते हुए, तिवारी ने आग्रह किया कि जाँच सर्वोच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए। याचिका में शोक संतप्त परिवारों को मुआवज़ा देने और दवा सुरक्षा अलर्ट की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस पोर्टल बनाने की मांग की गई है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है यह अधिकार सुनिश्चित करता है कि उपचार के लिए बनाई गई कोई भी दवा मौत का कारण न बने। यह मामला छिंदवाड़ा में हुई उस त्रासदी से जुड़ा है जहाँ कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से 15 साल से कम उम्र के 14 बच्चों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार द्वारा किए गए परीक्षणों में पाया गया कि तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया था – एक ज़हरीला औद्योगिक विलायक जो दवाइयों में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंधित है।

बिहार चुनाव: कांग्रेस 8 अक्टूबर को करेगी उम्मीदवारों पर मंथन, राहुल गांधी भी वर्चुअली जुड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर निर्णय लेने हेतु 8 अक्टूबर (बुधवार) को बैठक करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक वर्चुअल माध्यम से होगी, जिसमें सीईसी के विभिन्न सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा के दौरान ऑनलाइन शामिल होंगे।

सीईसी के अन्य सदस्य, जिनमें सोनिया गांधी, अधीर रंजन चौधरी, केसी वेणुगोपाल, अमी याज्ञिक, उत्तम कुमार रेड्डी, टीएस सिंह देव आदि शामिल होंगे। कांग्रेस राज्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भाकपा, भाकपा (माले) सहित अन्य वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में है। यह गठबंधन भाजपा, जद (यू), लोजपा (रालोद), हमस और अन्य दलों से मिलकर बने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को टक्कर देने के लिए तैयार है।

हालाँकि पार्टी ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने हाल ही में राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राज्य के विभिन्न जिलों में अपनी मतदाता अधिकार यात्रा का समापन किया है। इससे पहले, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा था कि बिहार आगामी विधानसभा चुनावों में पूरे देश को बदलाव की राह दिखाने के लिए तैयार है।

विकसित भारत का रक्षा संकल्प! राजनाथ सिंह ने गिनाए आत्मनिर्भरता के 3 बड़े लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति हेतु तीन लक्ष्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी और रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। सिंह नई दिल्ली में रक्षा नवाचार संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत अत्याधुनिक तकनीकी उद्योगों में अग्रणी है; भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि भारत इन तीनों लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होता है, तो भारत रक्षा नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है। उन्होंने कहा कि आज, जब हम 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमें तीन प्रमुख बातों को ध्यान में रखना होगारू पहला, हमें महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। दूसरा, हमें रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। तीसरा, अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में भारत को आगे बढ़ाने और भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें कुछ नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। अगर हम ये तीन चीजें हासिल कर लेते हैं, तो हम न केवल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित कर पाएंगे, बल्कि रक्षा नवाचार के क्षेत्र में भी भारत को दुनिया का अग्रणी देश बना पाएंगे। उन्होंने गैर–संपर्क युद्ध के महत्व में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर दिया और आधुनिक युग में युद्ध की तकनीक–उन्मुख प्रकृति पर प्रकाश डाला, जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश को न केवल एआई और क्वांटम तकनीक जैसी वर्तमान अत्याधुनिक तकनीकों में महारत हासिल करनी चाहिए, बल्कि भविष्य की उन तकनीकों पर भी विचार करना चाहिए जिनकी वैश्विक स्तर पर अभी खोज होनी बाकी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध पूरी तरह से तकनीक–उन्मुख हो गया है। हमने ऑपरेशन सिंदूर में इसका प्रदर्शन देखा। हमने देखा कि ड्रोन, ड्रोन–रोधी युद्ध और वायु रक्षा प्रणालियों जैसे गैर–संपर्क युद्ध का महत्व काफी बढ़ गया है। परिणामस्वरूप, आपकी चुनौतियाँ और आपकी ज़िम्मेदारियाँ दोनों बढ़ रही हैं। हमें न केवल मौजूदा अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे एआई, रक्षा में क्वांटम तकनीक आदि में महारत हासिल करनी चाहिए, बल्कि भविष्य की उन तकनीकों पर भी विचार करना चाहिए जिनकी दुनिया ने अभी तक कल्पना भी नहीं की है। उन्होंने बताया कि 2021–22 में घरेलू स्रोतों से भारत का पूंजी अधिग्रहण लगभग 74,000 करोड़ रुपये था और 2024–25 के अंत तक इसके बढ़कर 1.2 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। राजनाथ ने कहा, 2021–22 में घरेलू स्रोतों से हमारा पूंजी अधिग्रहण लगभग 74,000 करोड़ रुपये था, लेकिन 2024–25 के अंत तक घरेलू स्रोतों से पूंजी अधिग्रहण बढ़कर लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि सोच का भी है।

पीएम मोदी का महाराष्ट्र दौराः नवी मुंबई एयरपोर्ट का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8–9 अक्टूबर को महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी दोपहर लगभग 3 बजे नवी मुंबई पहुँचेंगे और नवनिर्मित नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद, लगभग 3:30 बजे, प्रधानमंत्री नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और मुंबई में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और लोकार्पण भी

करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। 9 अक्टूबर को सुबह लगभग 10 बजे, प्रधानमंत्री मुंबई में यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की मेज़बानी करेंगे। लगभग 1रू40 बजे, दोनों देशों के प्रधानमंत्री मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सीईओ फोरम में भाग लेंगे। इसके बाद, लगभग 2रू45 बजे, दोनों प्रधानमंत्री ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के छठे संस्करण में शामिल होंगे। वे फेस्ट में मुख्य भाषण भी देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर 8–9 अक्टूबर 2025 को भारत आएंगे। यह प्रधानमंत्री स्टारर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान, दोनों प्रधानमंत्री 'विज़न 2035' के अनुरूप भारत–ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विविध पहलुओं में प्रगति का जायजा लेंगे। यह विज़न व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु और ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों के प्रमुख स्तंभों में कार्यक्रमों और पहलों का एक केंद्रित और समयबद्ध 10–वर्षीय रोडमैप है।

केंद्रीय कैबिनेट ने 24634 करोड़ की चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी, 894 किलोमीटर बढ़ेगा रेल नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंगलवार को 24,634 करोड़ रुपये की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में मध्य भारत में क्षमता और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रमुख मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइनों का निर्माण शामिल है। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में महाराष्ट्र में 314 किलोमीटर लंबा वर्धा–भुसावल खंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैला 84 किलोमीटर लंबा गोंदिया–डोंगरगढ़ खंड, गुजरात और मध्य प्रदेश को कवर करने वाला 259 किलोमीटर लंबा वडोदरा–रतलाम कॉरिडोर और मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबा इटारसी–भोपाल–बीना खंड शामिल हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों को कवर करने वाली चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क

में लगभग 894 किलोमीटर का इजाफा होगा। स्वीकृत मल्टी–ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी आबादी लगभग 85.84 लाख है, और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

एसआईआर के तहत हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा दें

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी कोर्ट को दे। चुनाव आयोग ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि अधिकतर नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें से अब तक किसी ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को गुरुवार यानी नौ अक्तूबर तक उपलब्ध जानकारी कोर्ट को सौंपनी होगी, क्योंकि उसी दिन इस मामले में अगली सुनवाई होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मसौदा सूची और 30 सितंबर को प्रकाशित की गई अंतिम सूची सबके पास है, इसलिए दोनों सूचियों की तुलना करके जरूरी जानकारी दी जा सकती है।

न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी से कहा कि कोर्ट के आदेशों से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनसामान्य की पहुंच बढ़ी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, इसलिए किसके नाम जोड़े गए हैं (पुराने हटाए गए नाम हैं या नए मतदाता हैं) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम न हो। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, आप भी मानेंगे कि पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। ऐसा लग रहा है कि आपने मसौदा सूची में 65 लाख नाम हटाए। हमने कहा था कि जो मृतक हैं या कहीं और चले गए हैं, उन्हें हटाना ठीक है। लेकिन अगर किसी का नाम हटा रहे हैं तो नियम 21 और एसओपी का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा था कि हटाए गए नामों की जानकारी अपने दफ्तरों में लगाएं। अब अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी है कि जोड़े गए नाम पुराने हटाए गए लोगों के हैं या नए मतदाताओं के।

सामान खरीदने जा रही आठ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

प्रयागराज। मऊआइमा के एक गांव में दुकान पर सामान खरीदने जा रही आठ वर्षीय बच्ची के संग दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। एफआईआर के मुताबिक, रविवार शाम बच्ची गांव के एक परचून की दुकान पर जा रही थी। तभी पहले से घात लगाए आरोपी उसे पकड़कर ले जाने लगा। घटना दुकान पर बैठीं दो महिलाओं ने देख लिया और मौके पर पहुंच गई। वहीं, पीछे–पीछे दुकानदार और मासूम के पिता भी आ गए। यहां उन्होंने देखा के मासूम के कपड़े अस्त व्यस्त थे। मासूम ने बताया कि युवक ने उसके साथ मारपीट करते हुए कपड़े उतारकर दुष्कर्म का प्रयास किया। वहीं, परिजनों को देखकर युवक वहां से भाग निकला। मऊआइमा पुलिस ने आरोपी प्रतीक कुमार मिश्रा पर केस दर्ज किया। बता दें कि शनिवार को पांच वर्षीय बच्ची के संग दुष्कर्म का भी मामला सामने आया था।

ढोल वृंद वादन से दिवाली मेले का होगा शुभारंभ

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के परिसर में बारह दिवसीय दिवाली शिल्प मेला का आयोजन आठ अक्तूबर से होने जा रहा है। मेले का शुभारंभ कौशांबी के संतोष कुमार व साथियों की प्रयाग ढोल वृंद वादन से होगा तो सौदामिनी संस्कृत विद्यालय के बटुक मंत्रोच्चारण करेंगे। साथ ही भजन गायक रत्नेश दुबे की भजन संध्या, मथुरा के मुरारी लाल तिवारी व साथियों का ग्रुप ब्रज के लोकनृत्य व प्रयागराज के अभिषेक सिंह व दल की ओर से ढेड़िया लोकनृत्य की प्रस्तुति की जाएगी। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति की छटा भी दिखाई देगी।

तीन करोड़ का एसटीपी बंद, बह रहा संक्रमित पानी

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल परिसर में बना एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) संचालित न होने से संयत्र के उपकरण खराब हो रहे हैं। साथ ही अस्पताल का दूषित और संक्रमित पानी भी सीधे नाले में छोड़ा जा रहा है। अस्पताल में रोजाना बड़ी मात्रा में मवाद, खून, केमिकल्स, सर्जरी से निकलने वाली तरल गंदगी, संक्रमित पानी निकलता है जो सीवेज लाइन के जरिये नालियों में मिलता है। इसलिए जहरीले पानी को शोधित करने के लिए दो साल पहले पोस्टमार्टम हाउस परिसर में एसटीपी बनाया गया था। अस्पताल से निकलने वाला संक्रमित लिक्विड भूजल को भी प्रभावित करता है। प्लांट लगने के बाद इसका आसानी से ट्रीटमेंट होता और पानी का उपयोग भी किया जा सकता था। निर्माण एजेंसी की ओर से इसे महाकुंभ से पहले अस्पताल के सुपुर्द कर दिया गया था। इसके निर्माण में लगभग तीन करोड़ खर्च हुए थे लेकिन अस्पताल की सीवेज लाइन एसटीपी से कनेक्ट न होने के कारण संयत्र का संचालन नहीं हो सका।

पोस्टमार्टम हाउस के नए प्रभारी ने संभाला दायित्व

प्रयागराज। पोस्टमार्टम हाउस के नवनियुक्त नोडल प्रभारी डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया, लेकिन निवर्तमान प्रभारी डॉ. राजीव रंजन ने डॉ. अतुल को अभी प्रभार नहीं सौंपा है। डॉ. अतुल दोपहर एक बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों को हिदायत दी कि पहले जैसा कुछ नहीं चलेगा। समयबद्धता और अनुशासन का पालन सुनिश्चित करना होगा। सीएमओ की ओर से पोस्टमार्टम में किए गए बदलाव लेकर विवाद बढ़ रहा है। डॉ. राजीव रंजन का कहना है कि पोस्टमार्टम का प्रभार संभालने के लिए फॉरेंसिक में वांछनीय योग्यता की जरूरत होती है जो नए प्रभारी के पास नहीं है।

सेरेब्रल पाल्सी के बारे में किया जागरूक

प्रयागराज। त्रिशला फाउंडेशन की ओर से सोमवार को टैगोर टाउन स्थित संस्थान में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन और डॉ. वरिद्याला जैन ने सेरेबल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 200 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस क्रम में कटका झूंसी स्थित वेद एडवांस फिजियोथेरेपी व रिहैबलिटेशन सेंटर में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने किया। इस मौके पर मुनमुन सोनोवाल ने नृत्य की मोहक प्रस्तुति की। निदेशक डॉ. वेद राजपूत ने सेरेब्रल पाल्सी के बारे में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम 100 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

न्यायालय के आदेश पर चार माह बाद दूसरे पक्ष की दर्ज हुई एफआईआर

प्रयागराज। धूमनगंज थाने में चार माह बाद न्यायालय के आदेश पर मारपीट व फायरिंग के मामले में रविवार को दूसरे पक्ष की एफआईआर हुई। गेस्ट हाउस संचालक शिवम सिंह ने मोहल्ले के एक परिवार के छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही पुलिस पर वारदात के समय एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है। सुलेमसराय में बीते दो जून की रात श्रीराम वाटिका के सामने वाहन खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट व फायरिंग हुई थी। उस वक्त पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर गेस्ट हाउस संचालक शिवम सिंह के दोस्त रविरंजन सिंह को गिरफ्तार कर

जेल भेज दिया था, जबकि शिवम सिंह फरार हो गया था।

चार माह बाद न्यायालय के आदेश पर शिवम सिंह की तहरीर पर राजकुमार सिंह, राज सिंह, प्रिंस सिंह, अर्पित, महेंद्र सिंह व प्रेम सिंह के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। तहरीर में राजकुमार सिंह पर रंगदारी मांगने और साजिश के तहत मारपीट का आरोप लगाया गया है। साथ ही विपक्षी पर लामबंद होकर मारपीट व फायरिंग करने और साढ़े पचास हजार रुपये, सोने की चेन व दो मोबाइल लूटने का भी आरोप लगाया है। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

महाकुंभ में दुबई के 50 श्रद्धालुओं की फर्जी होटल बुकिंग करने वाला गिरफ्तार, 18.90 लाख की लगाई थी चपत

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के दिन श्रद्धालुओं के ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान व दर्शन कराने का लालच दिया गया। साथ ही कमरे की फोटो और सभी पैकेज दिखाकर कुल 18.90 लाख रुपये ले लिए। जब श्रद्धालु प्रयागराज आकर शिवद्या कैंप गए तो पता चला कि उनकी कोई बुकिंग नहीं है।

महाकुंभ के दौरान दुबई के 50 श्रद्धालुओं की फर्जी वेबसाइट से होटल बुकिंग कराने के मामले में फरार चल रहे ठग को साइबर पुलिस ने सोमवार को मेरठ से गिरफ्तार किया है। मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी स्थित गोरीपुरा नई भगवतपुरा निवासी आरोपी शिवांशु भारद्वाज (33) पर सस्ते दामों में होटल बुकिंग के नाम पर 18.90 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है।

मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले बृज मोहन गुप्ता दुबई में रहते हैं। उन्होंने साइबर पुलिस को बताया था कि महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज संगम में स्नान करने आना था। उनके साथ 50 श्रद्धालुओं का जत्था था। उन्होंने ऑनलाइन होटल बुकिंग के लिए शिवद्या कैंप के नाम से बनी वेबसाइट से मिले नंबर पर संपर्क किया।

मौनी अमावस्या के दिन श्रद्धालुओं के ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान व दर्शन कराने का लालच दिया गया। साथ ही कमरे की फोटो और सभी पैकेज दिखाकर कुल 18.90 लाख रुपये ले लिए। जब वह प्रयागराज आकर शिवद्या कैंप गए तो पता चला कि उनकी कोई बुकिंग नहीं है। शिकायत पर महाकुंभ साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर प्रयागराज साइबर पुलिस को सौंप दिया था।

सोमवार को साइबर थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा, कांस्टेबल रणवीर सिंह सेंगर, अतुल त्रिवेदी, प्रदीप कुमार यादव, रूप सिंह व अनुराग यादव की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक मोबाइल फोन, चार सिम, पांच एटीएम कार्ड और 515 रुपये नकद बरामद किए हैं।

हूबहू वेबसाइट बनाकर दिया अपना नंबर

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने स्नातक तक पढ़ाई की है और डिजिटल क्रिएटर का काम करता है। महाकुंभ के दौरान वह प्रयागराज आया था। तभी उसने शिवद्या कैंप की वेबसाइट की हूबहू नकल कर उसमें अपना मोबाइल नंबर डाल दिया। इसमें श्रद्धालुओं को सस्ते दामों पर होटल बुकिंग, ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान व दर्शन का लालच दिया गया।

ठग तक ऐसे पहुंची पुलिस

पुलिस ने आरोपी के मोबाइल नंबर से सारी जानकारी निकलवा कर फर्जी वेबसाइट की आईडी निकलवाई। जीमेल की आईडी में पुलिस को आरोपी शिवांशु का मोबाइल नंबर मिल गया। पुलिस पिछले कई महीने से आरोपी को ट्रेस कर रही थी। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

महाकुंभ में फर्जी वेबसाइट से होटल बुकिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि दुबई के 50 श्रद्धालुओं से आरोपी ने ठगी की थी। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। – राजकुमार मीणा, एसीपी, साइबर क्राइम

बिजली उपकेंद्र के भीतर वैक्यूम फटा, तीन घंटे दस हजार घरों में गुल रही बिजली

प्रयागराज। आवास विकास कॉलोनी योजना तीन स्थित बिजली उपकेंद्र के भीतर सोमवार की सुबह ट्राली में लगने वाले वैक्यूम के फटने से खलबली मच गई। वैक्यूम के फटने के कारण अचानक बिजली उपकेंद्र से जुड़े सभी फीडर बंद पड़ गए।

इससे तकरीबन दस हजार मकानों में तीन घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। इसी दौरान तेज बारिश होने लगी तो मेन सप्लाई भी ठप पड़ गई। किसी तरह खराबी को दूरकर आपूर्ति बहाल की जा सकी तो लोगों ने राहत की सांस ली।

सोमवार की सुबह तकरीबन ग्यारह बजे अचानक आवास विकास कॉलोनी योजना तीन स्थित बिजली उपकेंद्र के भीतर स्विच यार्ड में ट्राली में लगने वाला वैक्यूम अचानक फट गया। इससे जुड़े योजना दो फीडर, पूर्वी, पश्चिमी और बिरला फीडर की बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। चारों फीडरों के बंद होने से तकरीबन दस हजार मकानों व सैकड़ों दुकानों में बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। इससे लोग उमसभरी गर्मी में बेहाल हो उठे। यह स्थिति अगले तीन घंटे तक बनी रही। खराबी की जानकारी होने पर बिजलीकर्मी मरम्मत कार्य में लगाए गए।

अवर अभियंता जीतेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि नमी के कारण वैक्यूम फट गया था। बताया कि यह उमसभरी गर्मी में अक्सर हो जाता है। किसी तरह वैक्यूम को बदला गया। इसी बीच हनुमानगंज बिजली उपकेंद्र से मेन सप्लाई ठप पड़ गई। तभी जोरदार बारिश के कारण पूरे इलाके की बत्ती गुल हो गई। दोपहर दो बजे के आसपास बारिश बंद हुई तो एक–एक कर सभी इलाकों की बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। हालांकि, उसके बाद देर शाम तक लोकल फाल्ट के कारण किसी न किसी इलाके की बत्ती गुल रही।

बंच कंडक्टर बदलने को पूर्वी और पश्चिमी फीडर से सात घंटे गुल रही बिजली

आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के पश्चिमी और पूर्वी फीडर पर सोमवार को बंच कंडक्टर बदले जाने के कारण तकरीबन सात घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। बिजली गुल हुई तो जलापूर्ति भी नहीं हो सकी। आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के बिजली उपकेंद्र के विभिन्न फीडरों पर इन दिनों मेंटेनेंस का कार्य भी चल रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के सेक्टर तीन और चार के मुख्य मार्ग पर बंच कंडक्टर बदला जा रहा है। बंच कंडक्टर को लगाने का कार्य दोपहर तकरीबन एक बजे शुरू किया गया। बंच कंडक्टर का कार्य शाम आठ बजे तक चला। इससे पूर्वी और पश्चिमी फीडर के चार हजार मकानों में तकरीबन सात घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। बिजली गुल हुई तो नलकूप नहीं चल पाए जिससे जलापूर्ति भी नहीं हो पाई। इससे लोग बेहाल हो उठे थे। रात आठ बजे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल की गई तो लोगों ने राहत की सांस ली।

विधि के छात्र अब घर बैठे पढ़ सकेंगे ई-पुस्तकें और जर्नल

प्रयागराज। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरपीएनएलयू) ने बड़ा कदम उठाया है। अब छात्र, शिक्षक और शोधकर्ता घर बैठे ई–बुक्स, ई–जर्नल्स और कानूनी डेटाबेस तक पहुंच सकेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पहली बार 'रिफरीड नामक सॉफ्टवेयर की सुविधा शुरू की है। यह सॉफ्टवेयर विश्वविद्यालय की ओर से सब्सक्राइब किए गए ऑनलाइन कानूनी डेटाबेस तक रिमोट एक्सेस की सुविधा देता है। इसके जरिये छात्र कैंपस से बाहर रहते हुए भी एससीसी ऑनलाइन, मनुपात्रा, लेक्सिसनेक्सिस, एआईआर ऑनलाइन, कॉर्पोरेट लॉ एडवाइजर, हेन ऑनलाइन, लाइव लॉ, बार एंड बेंच और लीगल बाइट्स जैसे प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने छात्रों की डिजिटल पढ़ाई को आसान बनाने के लिए 'ईबीसी रीडर की भी सुविधा दी है, जिससे ईस्टर्न बुक कंपनी की कानूनी ई–पुस्तकें ऑनलाइन पढ़ी जा सकती हैं। वहीं, शोध की मौलिकता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय ने 'टर्निटिन सॉफ्टवेयर का भी उपयोग शुरू किया है, जिससे साहित्यिक चोरी की जांच की जा सकेगी। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अब पूरी तरह स्मार्ट बन चुका है। यह वाई–फाई सक्षम है और इसमें कंप्यूटर सेक्शन, रिसर्च के लिए वातानुकूलित वाचनालय तथा फोटोकॉपी, लेमिनेशन और बाइंडिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। साथ ही पुस्तकालय भारतीय सॉफ्टवेयर सोल और लिबस के जरिये भी डिजिटल सेवाएं देगा।

प्रयागराज-चित्रकूट प्राधिकरण का मसौदा तैयार, शासन को भेजा

प्रयागराज। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने सोमवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बनाए जा रहे कल्चरल कांपलेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कांपलेक्स की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। शीघ्र निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। मंडलायुक्त के साथ पीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा के अलावा प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। प्रयागराज स्मार्ट सिटी के मद से बनाए जा रहे कल्चरल कांपलेक्स का निर्माण इसी साल दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके निर्माण बीच–बीच में रुक रहा है। पूर्व मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कांपलेक्स के निर्माण को लेकर नाराजगी जताते हुए दिसंबर तक काम पूरा करने का अल्टीमेटम दिया था।

2600 कक्ष निरीक्षकों के प्रशिक्षण के लिए नहीं मिल रहा सभागार

प्रयागराज। लोक सेवा आयोग की पीसीएस प्री परीक्षा 12 अक्तूबर को दो पालियों में होगी। इस परीक्षा के लिए सभी कक्ष निरीक्षकों का प्रशिक्षण होना है। लोक सेवा आयोग ने सभी का प्रशिक्षण एक साथ कराने के लिए कहा है। जिले में ऐसा कोई सभागार नहीं है, जहां इतनी बड़ी संख्या में लोगों को बैठाया जा सके। जिला प्रशासन ने एएमए सभागार और जिला पंचायत सभागार में प्रशिक्षण कराने के लिए निर्णय लिया यहां भी इतनी बड़ी संख्या में प्रशिक्षण संभव नहीं है। जिसके बाद एडीएम सिटी सत्यम मिश्र की ओर से लोक सेवा आयोग को पत्र लिखा गया है। अब एक तीन में तीन शिफ्ट में प्रशिक्षण कराने की तैयारी चल रही है।

22 जर्जर भवनों में चल रहे सरकारी विभाग, बदले जाएंगे

प्रयागराज। जर्जर भवनों में संचालित सरकारी भवनों में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए यह राहत वाली खबर है। अब इन भवनों को बदला जाएगा। पहले कर्मचारियों को सरकारी भवन में शिफ्ट किया जाएगा। नए भवन के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। सदर तहसील, डीएसओ कार्यालय, विपणन कार्यालय, सहायक निबंधक प्रथम के कार्यालय लगभग 100 साल से अधिक पुराने भवनों में संचालित हैं। इसके लिए अफसरों की ओर से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को सूची दी गई थी। जिसके बाद जिलाधिकारी ने भवनों का सत्यापन कर यहां पर बदलाव के लिए कहा था। सभी तहसीलों को मिलाकर 22 भवन ऐसे हैं, जिन्हें मरम्मत की जरूरत है। इसमें तहसील मुख्यालय के भवन शामिल हैं। पंचायत भवन भी जर्जर अवस्था में है। अफसरों ने बताया कि इन भवनों में कुल मिलाकर 1300 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। जबकि रोजाना 40 से 50 हजार लोगों का आगमन इन विभागों में होता है। चार बार लिखा जा चुका है पत्र सदर तहसील भवन की जर्जर हालत को लेकर चार बार पत्र लिखा जा चुका है। पूर्व एसडीएम के कार्याकाल में पत्र लिखा गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब जिलाधिकारी ने भवनों की दशा का संज्ञान लिया है और बदलाव के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

मांडा ब्लॉक क्षेत्र के 21 गांवों में सचिवों का फेरबदल

प्रयागराज। मांडा ब्लॉक क्षेत्र के 69 गांवों में से 21 गांवों के सचिवों का तबादला किया गया है। यह कार्रवाई डीपीआरओ रविशंकर द्विवेदी के निर्देश पर की गई। एडीओ पंचायत विवेक मिश्र ने इसकी पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, बरहा कला और ढिलिया गांव में सचिव पूनम शर्मा को हटाकर संजय यादव की तैनाती की गई है। इसी तरह दशवार, पियरी, सिरौठी और उंचडीह गांव में सचिव सत्येंद्र पांडेय की जगह विजेंद्र शुक्ला को जिम्मेदारी दी गई। वहीं, दिघिया, धरांवगजपति, ढेढरा और सैबसा गांव में सचिव तेजबहादुर को नियुक्त किया गया। इससे पहले इन गांवों में प्रभात कुमार तैनात थे। इसके अलावा, कोषडा कला, बघौरा खवासान और भवानीपुर गांव में सचिव अर्जुन सिंह को हटाकर संदीप गुप्ता की तैनाती की गई। साड़ी, गौरैया कला, खुरमा और मसौली गांव में सचिव नवनीत कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई। अंत में, पचेड़ा, गजाधरपुर, नेवाडिया बयालीस और पूरालक्षन गांव में सचिव संजीव कुमार की नियुक्ति की गई। एडीओ पंचायत विवेक मिश्र ने बताया कि यह फेरबदल कार्य की प्रभावशीलता बढ़ाने और ग्राम पंचायत प्रशासन में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया है।

शृंग्वेरपुर धाम के राष्ट्रीय रामायण मेले की कुशलता के लिए मंडलायुक्त आज करेंगी गंगा पूजन

प्रयागराज। प्रसिद्ध पौराणिक स्थल शृंगी ऋषि की तपोभूमि एवं निषाद राज की नगरी शृंग्वेरपुरधाम में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय 36वें राष्ट्रीय रामायण मेले की कुशल संपन्नता के लिए प्रयागराज मंडल की आयुक्त सौम्या अग्रवाल मंगलवार को शाम साढ़े तीन बजे श्रीराम घाट पर गंगा पूजन करेंगी।

राष्ट्रीय रामायण मेला आयोजन समिति के महामंत्री उमेश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय एकता अखंडता एवं विश्वशांति को समर्पित राष्ट्रीय रामायण मेला की तिथियों की घोषणा समिति के उपाध्यक्ष सियाराम सरोज की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में तीर्थ पुरोहित समाज के अध्यक्ष काली सहाय त्रिपाठी ने की। उन्होंने बताया कि यह मेला कार्तिक शुक्ल पक्ष देवोत्थान एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक पंच दिवसीय आयोजन 1 नवंबर से प्रारंभ होकर 5 नवंबर को संपन्न होगा। बताया कि गंगा पूजन में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी भी शामिल होंगे। जबकि पुलिस उपायुक्त गंगानगर के साथ ही क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी व स्थानीय संत महात्माओं, विद्वानों, संभ्रांतजनों के साथ वरिष्ठ समाज सेवियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में उपस्थित प्रमुख लोगों में अधिवक्ता बलराम सिंह, समाजसेवी शिव विशाल तिवारी, सहकारी संघ कौड़िहार शृंग्वेरपुरधाम के अध्यक्ष कृष्णचंद्र पांडेय, तीर्थ पुरोहित संतोष मिश्र, सरजू चरण त्रिपाठी, माधव प्रसाद त्रिपाठी, केशव प्रसाद त्रिपाठी, जमुना चरण त्रिपाठी, रामतीर्थ, मन्नू श्रीमाली, ओम द्विवेदी, संयुक्त मंत्री अमित द्विवेदी, विनय कुमार अग्रवाल आदि शामिल रहे।

हश्वस्टल में दाखिले के वक्त परिजनों की उपस्थिति अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के श्यामजी कृष्ण वर्मा छात्रावास में 10 अक्तूबर तक प्रवेश की प्रक्रिया चलेगी। प्रवेश के समय ही छात्रों को अपनी फीस भी छात्रावास कार्यालय में ऑनलाइन जमा करनी होगी। इविवि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के बाद किसी भी स्थिति में दाखिला स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसलिए सभी चयनित छात्रों को समय पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। इसी क्रम में महादेवी वर्मा छात्रावास का दूसरा कटऑफ जारी कर दिया गया है। कटऑफ में जगह बनाने वाली छात्राओं को अभिलेखों के साथ 11 अक्तूबर के बीच प्रवेश के लिए रिपोर्ट करना होगा। छात्राओं को काउंसिलिंग के समय अभिभावक के साथ उपस्थित रहना अनिवार्य है।

मेला देख लौट रही महिला को टैंकर ने रौंदा

प्रयागराज। राजरूपपुर का मेला देखकर घर लौट रही एक महिला की सोमवार की भोर में टैंकर के चपेट से मौत हो गई। आईटीआई चौराहा झलवा के समीप हुई हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया। चित्रकूट जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के कादरगंज निवासी बाबूलाल झलवा स्थित एक निजी अस्पताल में काम करता है। झलवा के पास ही अपने परिवार के साथ किराए का कमरा लेकर रहता है। उसकी पत्नी 28 वर्षीया पुष्पा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रविवार को राजरूपपुर में मेला को देखने गई थी। वहां से सोमवार भोर में सभी पैदल घर लौट रहे थे। आईटीआई चौराहा झलवा के पास पीछे से डीजल टैंकर ने पुष्पा को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। देवर जितेंद्र आनन फानन में पुष्पा को लेकर मोतीलाल नेहरू अस्पताल पहुंचा, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। वहीं मृतका के परिजनों की तहरीर पर अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

सीडीओ ने भोपा मे धान की फ़सल की कराई कटाई

भोपा। मुख्य विकास अधिकारी ने रहकड़ा गांव मे धान की फसल की कटाई कराकर प्रति हेक्टेयर उत्पादन का अनुमान लिया साथ ही किसानो से खेती के संबंध मे बातचीत की। भोपा क्षेत्र के गांव रहकड़ा मे किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर कण्डारकर ने कहा

की आधुनिक तकनीक की जानकारी कर किसान खेती करें। उन्नत बीज समय पर बुआई तथा उचित देखभाल से फसलों के उत्पादन मे वृद्धि होगी व किसान की आमदनी बढ़ेगी।वहीं मुख्य विकास अधिकारी ने किसान कुलदीप के खेत मे धान की कटाई की राजस्व निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा ने बताया की क्रॉप कटिंग कार्यक्रम के अंतर्गत. 0043 हेक्टेयर धान की फसल की कटाई कराई गयी और उत्पादन का अनुमान लिया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार बृजेश कुमार, लेखपाल सचिन कुमार, अनिल कुमार मनोज कुमार, अंकित कुमार,विकेश कुमार, एडीओ योगेशदत्त त्यागी, ग्राम सचिव जोगेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर कवियों ने जमाया रंग

नैनी, प्रयागराज। आदि कवि वाल्मीकि जयंती के पवन अवसर पर नैनी में एक कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से आदिकवि को श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनीत मिश्र अद्भुत ने किया। मुख्य अतिथि हिंदी साहित्य सम्मेलन के कार्यवाहक पवित्र तिवारी रहे तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ संतोष शुक्ल समर्थ ने किया। इस अवसर पर डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ आनंद प्रकाश श्रीवास्तव व डॉ कृष्णा

कांत कामिल का विशेष सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ जितेंद्र जलज की सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम में लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने अपने भजनों द्वारा श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आचार्य राजू शांडिल्य के मंत्रोच्चार के बाद कवि सम्मेलन की शुरुआत हुई।

कवयित्री नीलम तिवारी, कवि डॉ आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ राजेंद्र शुक्ल, डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर, जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, हृदयेन्द्र प्रताप सिंह, अमित कुमार शर्मा आदि ने अपनी रचनाओं द्वारा दर्शक दीर्घा में उपस्थित श्रोताओं की वाहवाही लूटी। मुख्य अतिथि पवित्र तिवारी, कुशल वक्ता अवधेश निषाद व वरिष्ठ पत्रकार गजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा महर्षि वाल्मीकि के चरित्र चित्रण व उनकी सुप्रसिद्ध धार्मिक रचना वाल्मीकि रामायण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी कवियों को अंगवस्त्र व धार्मिक चित्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ संतोष शुक्ल ने आगत अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रीति श्रीवास्तव, शिखा द्विवेदी, श्रुति पाण्डेय, सुमन निषाद, अंकिता दुबे, रजनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

बांसुरी को अधर दीजिए..

नैनी। श्री बाल रामलीला कमेटी ट्रस्ट तथा राष्ट्रीय कवि संगम प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में महुआरी नैनी में सोमवार को सायंकाल कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, संरक्षक डॉ. प्रशान्त सिंह ने मुख्य अतिथि प्रयागराज के वर्तमान सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह को सम्मानित कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजन से लोगों में जागरूकता बढ़ती है। अपनी कविताओं में कवि समाज की विसंगतियों को उकेरता है। सरस्वती वन्दना से कवि सम्मेलन की शुरुआत करने के पश्चात कवि डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने काव्य पंक्तियां लोग खिंचते चले आयेंगे,

बांसुरी को अधर दीजिए। पांव पथ में रुके न कभी, हौंसले को ही पर दीजिए, पढ़कर मंच को ऊंचाई प्रदान की। डॉ. इन्दु जमदग्निपुरी ने पढ़ा खेत के मेड़ों पर पर जैसे दो सारस हों, चाहता हूं ये जीवन इस तरह गुजर जाये। सुधांशु शुक्ल ने राम से ही जीवन है राम ही कहानी है। राम से ही चलती दुनिया पुरानी है पंक्तियां पढ़ी। डॉ. संतोष शुक्ल समर्थ ने पढ़ा ऐसे ही कुछ रोज में लौटा हूं मैं, कवि हूं यार बंजारा नहीं हूं। सुश्री प्रतिमा मिश्रा, डॉ. प्रवीण द्विवेदी, मनीष पाण्डेय, रुपेश द्विवेदी, डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने भी काव्यपाठ कर मंच को सार्थकता प्रदान की। संचालन डॉ. इन्दु जमदग्निपुरी ने किया। सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह ने अपने हाथों सभी कवियों को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। संस्था संरक्षक डॉ. प्रशान्त सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर श्री बाल रामलीला कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

साहित्य लोक 'काव्यमंच' व 'काव्यांश समूह' द्वारा चतुर्थ काव्य समागम व सम्मान समारोह

कानपुर।साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था साहित्य लोक श्काव्यमंचश व श्काव्यांश समूहश द्वारा ष्चतुर्थ काव्य समागम व सम्मान समारोहष आयोजन रविवार 05 अक्टूबर 2025 को डॉ जे.एल रोहतगी नेत्र चिकित्सालय ऑडिटोरियम में किया गया द्यजिसमें कानपुर,लखनऊ, हरदोई, उन्नाव सीतापुर, लखीमपुर,इलाहाबाद व लगभग पूरे प्रदेश भर के कवियों ने हिस्सा लियाद्य तीन सत्रों में चले इस कार्यक्रम में साहित्य की तीन पीढियों का सम्मान किया गयाद्य कार्यक्रम में कानपुर के नवगीतकार जयराम जय लखीमपुर के ज्ञान प्रकाश अकुल, प्रयागराज के जितेन्द्र मिश्रा जलज को ष्साहित्य गौरवष सम्मान से सम्मानित किया गयाद्य हरदोई के पवन प्रगीत, उन्नाव के विश्वनाथ विश्व व कानपुर की चांदनी पांडे को ष्साहित्य साधकष सम्मान से सम्मानित किया गयाद्य इसके अलावा तेजस्वी अवस्थी, पूनम डबराल, गीता मिश्रा, आयुष यादव, दिव्या अवस्थी, अर्चना जुगनू, दिव्यांशु शुक्ला, अविजित अमन, मोहित वर्मा, अभिषेक बाबा को नवांकुर सम्मान से सम्मानित किया गयाद्य संस्था के मुकेश श्रीवास्तव, अमित ओमर, ऋतिक तिवारी , अंशुमान दीक्षित व शिवांश शुक्ला,पण्डित नरेंद्र तिवारी द्वारा साहित्यकारों व कवियों को सम्मानित किया गया द्य सभी कवियों ने शानदार काव्य पाठ कियाद्य समारोह का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अंतर्राष्टीय शायर जौहर कानपुरी तथा विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. सुरेश अवस्थी के साथ नवगीतकार जयराम जय व शायरा चांदनी पांडेय ने मां वाणी के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। आचार्य देवी प्रसाद राही को समर्पित इस अनुष्ठान के प्रथम सत्र की अध्यक्षता गीतकार जयराम जय ने तथा संचालन युवा व्यंग्यकार अमित ओमर ने किया। सुमधुर गीतकार पवन प्रगीत की वाणी वंदना से प्रारंभ काव्य अनुष्ठान में तेजस्वी अवस्थी,अविजित अमन,गीता मिश्रा,अमित ओमर,चाँदनी पाण्डेय ने काव्यपाठ किया। जयराम जय ने काव्य प्रस्तुति के टिप्स साझा करते हुए छंद व नवगीत पाठ किया।श्रद्धेय गोपाल दास नीरज को समर्पित दूसरे सत्र की अध्यक्षता गीतकार जितेंद्र मिश्र जलज ने की कवि विश्वनाथ विश्व के संचालन में डॉ.ओमप्रकाश पाठक, गोविन्द गज़ब,मोहित वर्मा,दिव्यांशु शुक्ल,अभिषेक सिंह बाबा व दिव्या अवस्थी ने काव्य पाठ किया।गीतकार प्रमोद तिवारी को समर्पित तीसरे सत्र की अध्यक्षता कविवर ज्ञान प्रकाश आकुल व संचालन कवि कुलदीप कलश के कियाद्यपवन प्रगीत,पूनम डबराल,आयुष यादव व अर्चना यादव ने कविताएं प्रस्तुत की। इस भव्य साहित्यिक काव्य अनुष्ठान में प्रदेश के कई शहरों से आये अन्य युवा रचनाकारों की कविताएं सुनकर व प्रस्तुति देखकर यह आश्वस्ति सबल हुई कि गीत नगरी कानपुर में एक शताब्दी पूर्व आचार्य गया प्रसाद शुक्ल सनेही द्वारा रखी गई कविसम्मेलन की नींव का भविष्य उज्ज्वल है।इस अवसर पर नगर के साहित्यकारों कवियों की उपस्थिति सराहनीय रही विधायक अमिताभ बाजपेई ने उपस्थित होकर भव्य साहित्यिक अनुष्ठान की प्रशंसा की तथा युवा रचनाकारों को साहित्य सृजन के लिए प्रोत्साहित किया।काव्यांश साहित्यिक समूह तथा साहित्य लोक काव्य मंच की आयोजन समिति की ओर से रुअमितओमर, शिवांश शुक्ला श्सरसश, व अंशुमान दीक्षित ने आगतों का स्वागत किया तथा ऋतिक तिवारी ने धन्यवाद दिया।

व देर शाम तक कविताओं का सिलसिला चलता रहाद्य कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक मुकेश श्रीवास्तव संस्थापक अमित ओमर व ऋतिक तिवारी के साथ अध्यक्ष अंशुमान दीक्षित,शिवांश शुक्ला, निखिल तिवारी,प्रशांत द्विवेदी,शुभम तिवारी, अक्षय मिश्रा,प्रतीक तिवारी शिवम द्विवेदी,कृतार्थ पाठक, उत्तम चटर्जी, ओम जी त्रिवेदी उपस्थित रहे द्य

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी अक्टूबर माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन कार्तिक माह के त्यौहार सफलतापूर्वक संपन्न।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. भावना शुक्ला, सारस्वत अतिथि डा. कामना कौस्तुभ सारस्वत विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कृष्णा राजपूत द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना।

काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। गायत्री चौबे,रेखा चौधरी, मंजूषा किंजवडकर, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला, कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन आरती शर्मा किया।

हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से

आरेडिका में अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में रेलवे बोर्ड के तत्वावधान में रेल कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक– 07.10.2025 से 09.10.2025 तक आयोजित होने वाली अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया गया। यह प्रतियोगिता अखिल रेल स्तर पर आरेडिका में पहली बार महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के संरक्षण, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रमेश चन्द्र के कुशल नेतृत्व एवं रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक राजभाषा सतविन्दर सिंह तथा रेलवे बोर्ड के सहायक निदेशक राजभाषा जितेन्द्र कुमार झा के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। आरेडिका के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक ने प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने आये सभी क्षेत्रीय रेलवे, उत्पादन इकाइयों तथा रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों का स्वागत किया और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। आगे श्री पाठक ने दूर–दूर से आये प्रतिभागियों को आरेडिका कॉलोनी परिसर के हरितमय परिवेश, सेवा भवनों तथा कारखाने में कोच निर्माण प्रक्रिया को निकट से देखने हेतु प्रेरित किया।

आज दिनांक– 07.10.2025 को अखिल रेल हिंदी निबंध तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 09.10.2025 को इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नामों की घोषणा एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर आरेडिका के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रमेश चन्द्र, रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक राजभाषा सतविन्दर सिंह, सहायक निदेशक राजभाषा जितेन्द्र कुमार झा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन सहित उच्च अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

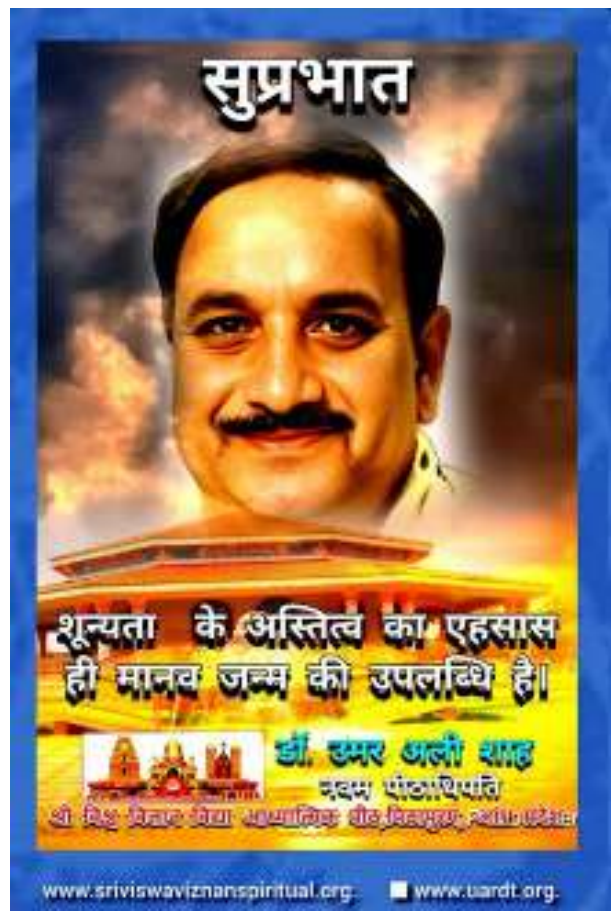

रात की रानी कहते

(कुण्डलिया)

अठखेली कर रात में, करके सुबह प्रणाम।
पुनः कली बनकर करे, सारा दिन आराम।
सारा दिन आराम, रात की रानी करती।
दिन ढलते ही आँख, खोलकर फिर वह हँसती।
सुन लो कहें प्रदीप, चन्द्र की बनी सहेली।
परियों का पा साथ, कर रही है अठखेली।।

जिसकी खुशबू ने सदा,दिया सुख़न माहौल।
कोमल उसकी पंखुरी, लगती मगर सुडौल।
लगती मगर सुडौल,सफेदी जमकर झलके।
सभी अदब के साथ, रात की रानी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,करो बस बातें इसकी।
औषधि से भरपूर,महक रहती है जिसकी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई

शाहजहांपुर। महर्षि वाल्मीकि के प्राकट्योत्सव को जनपद में बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। महर्षि वाल्मीकि सेवा समिति द्वारा इस अवसर पर एक बृहद साहित्यिक/धार्मिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद – सीतापुर के प्राचार्य डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था । मुख्य अतिथि ने गोष्ठी में पहुंचे सर्व समाज के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि किसी जाति विशेष या वर्ग विशेष के पूर्वज मात्र नहीं हैं बल्कि वे सनातनी परम्परा के आदि पुरुष हैं । उनकी तप शक्ति ने उनको त्रिकालदर्शी बना दिया जिसके बल पर उन्होंने त्रेता युग में रामावतार से पूर्व ही रामावतार तथा उनके द्वारा प्रस्तुत मानवीय लीलाओं का उल्लेख अपनी कृति ष्रामायणष में कर दिया था ।

डॉ सिंह ने कहा आक्रांताओं ने भारत में जाति व वर्ग भेद पैदा करके सनातनी परम्परा को अत्यधिक हानि पहुंचाई है जिसके परिणाम आज भी दिखाई देते हैं । उन्होंने कहा महर्षि वाल्मीकि ने मानवता , सामाजिक न्याय , समानता तथा एक ब्रह्म की उपासना का मानवमात्र को संदेश दिया। उन्होंने कहा सनातन का न तो कोई आदि है और न अंत । समाज में व्याप्त जाति व वर्ण व्यवस्था सनातनी परम्परा के सिद्धांतों के प्रतिकूल है। इससे पूर्व उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह का यहां पहुंचने पर समिति के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि सेवा समिति के मंत्री द्वारा मुख्य अतिथि को पगड़ी पहना कर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

गोष्ठी के पश्चात सेवा समिति द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सनातनी परम्परा की अनेकों झांकियां तथा राम ,लक्ष्मण, सीता , हनुमान , लव , कुश, भगवान शंकर आदि देवताओं के स्वरूपों के दरबारों का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डायट सीतापुर डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह ने शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिस पर नगर भ्रमण के दौरान नागरिकों ने स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा की।

मुझे पत्नी से बचाओ, रात में नागिन बन जाती है

–सीतापुर में अजब–गजब मामला लेकर पति पहुंचा डीएम के दरबार में

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के मेराज नाम के एक व्यक्ति जिलाधिकारी से गुहार लगाई है कि उसे अपनी ही पत्नी नसीमुन से जान का खतरा है। मेराज का दावा है कि उसकी पत्नी रात में नागिन बन जाती है और उसे डराती है, यहां तक कि काटने की कोशिश भी करती है।

समाधान दिवस पर जिलाधिकारी के सामने पेश होकर मेराज ने कहा "साहब, मेरी पत्नी रात में नागिन बनकर मुझे डराती है और जान से मारने की कोशिश करती है। मैं बहुत परेशान हूं, कृपया मुझे इससे बचाइए।"

इस अनोखी शिकायत को सुनकर मौके पर मौजूद अफसर भी कुछ देर के लिए हैरान रह गए। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। स्थानीय लोगों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। कोई इसे अंधविश्वास बता रहा है, तो कोई इसे मानसिक तनाव का नतीजा मान रहा है।

क्या सच में नागिन बनी पत्नी या है किसी गलतफहमी की कहानी?

जवाब अब प्रशासनिक जांच के बाद ही सामने आएगा।

सम्पादकीय.....

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां–बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

भाजपा शासित मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले एक महीने में कम से कम 15 बच्चों की मौत केवल इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें दवा के नाम पर जहर पीने को मिला। यूं तो निर्दोषों की अकाल मौत पर दुख होता है, नाराजगी होती है, लेकिन मासूम बच्चे जब सरकारी लापरवाही का शिकार होकर दम तोड़ें तो दुख और नाराजगी के साथ बेबसी भी जाहिर होती है कि आखिर हम किस तरह के शासन में रह रहें हैं, जहां कुछ लोगों के लालच और फायदे में मासूमों की जान चली जाए और इस पर केवल अफसोस की रस्म अदायगी हो। दोनों जगह भाजपा की सरकार है तो अब इस्तीफे की उम्मीद करना बेकार है। याद करें, उत्तरप्रदेश में इसी तरह ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी और बजाय दोषियों को सजा देने के, इसमें भी हिंदू–मुसलमान का एंगल तलाश लिया गया। अब मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कांग्रेस भाजपा सरकार के मंत्रियों से इस्तीफे तो मांग रही है, लेकिन इस मांग की कहीं सुनवाई नहीं होगी, यह तय है। कायदे से तो देश का प्रधानमंत्री होने के नाते नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें पं.नेहरू की तरह बच्चों का पसंदीदा बनने का बड़ा ख्वाब है, इसीलिए परीक्षा पर चर्चा करते हैं, अपनी रैलियों में बच्चों से मिलते हैं, लेकिन नेहरूजी या शास्त्रीजी की तरह नैतिक हिम्मत दिखाकर शासन नहीं कर सकते। वैसे भी श्री मोदी का सारा ध्यान इस समय बिहार चुनाव पर लगा है, इसके बाद तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, असम पर फोकस चला जाएगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान तो भाजपा जीत ही चुकी है, इसलिए अब यहां कुछ भी होता रहे, कम से कम अगले चुनावों तक उसे फर्क नहीं पड़ेगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हुई है। मध य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि ज़्यादातर बच्चों की मौत किडनी को चोट पहुंचने से हुई है। बच्चों की रीनल बायोप्सी जांच के बाद यह पता चला था कि किसी जहरीले पदार्थ से किडनी को चोट पहुंची और उसने काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्चों की मौत हुई। इन बच्चों ने कफ सिरप पी थी और उसमें ही जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। कोल्ड्रिफ नाम के इस कफ सिरप में अत्यधिक जहरीली रसायन डायथाइलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई। इसके बाद शनिवार को मध्यप्रदेश सरकार ने इस सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला लैब टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, जिसमें सिरप को श्अधिकारिक रूप से खराब और मिलावटीश घोषित किया गया। कोल्ड्रिफ को तमिलनाडु के एक संयंत्र में बनाया जा रहा था। जब तमिलनाडु सरकार में इसकी शिकायत की गई तो फौरन ही सिरप की जांच कराई थी, जिसमें पाया गया कंपनी गलत ढंग से सिरप को तैयार कर रही थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर 2025 को ही इस सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि इसमें तमाम जानलेवा बैक्टीरिया छोटे बच्चों की मौत की वजह बने। लेकिन बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार की जांच रिपोर्ट जब सार्वजनिक हुई तो केंद्र सरकार की एजेंसियों ने तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट को झुठलाने की कोशिश की। बेशक यह कफ सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स में बन रहा था। लेकिन कंपनी पर कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के पास है। लिहाजा कार्रवाई की पहल वहीं से होनी चाहिए थी। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा कि केंद्र सरकार को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया लेकिन वहां से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। गनीमत यह है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार ने अब ऐसे विषाक्त कफ सिरप पर रोक लगाई है और बच्चों की मौत पर अफसोस भी जाहिर किया है। लेकिन इससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। तमिलनाडु सरकार ने जब दवा की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट जारी कर दी, तो मध्यप्रदेश और राजस्थान में यही काम पहले क्यों न हो सका। क्यों बिना जांच के दवा सरकारी अस्पतालों तक पहुंची। बच्चों के मामले में तो खिलौनों, कपड़ों, जूतों से लेकर खाने–पीने के सामान तक अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है, क्योंकि उन्हें सही या गलत, ठीक या खराब गुणवत्ता की परख नहीं होती है। मासूम बच्चे ये भी नहीं बता पाते कि उन्हें किस चीज के सेवन से तबियत ठीक नहीं लग रही है। इस बारे में माता–पिता अनुमान लगाते हैं और डॉक्टरों के भरोसे ही रहते हैं। डॉक्टरों ने जो दवा लिखकर दे दी, उस पर आंख मूंदकर यकीन करते हुए अपने बच्चों को पिला देते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में इस यकीन को ऐसा चकनाचूर किया गया कि मां–बाप को जीवन भर का दुख दे गया। क्या फर्क पड़ता है कि अब कितनी दवाओं को प्रतिबंधित किया गया है, कितने डॉक्टरों का निलंबन हुआ है। मासूमों की मौत पर समाज में जो बड़े पैमाने पर उद्वेलन दिखना चाहिए था, वह नदारद है। सरकार भी इस बात को अच्छे से जानती है कि लोगों की प्राथमिकताओं को प्रभावित करने में उसे सफलता मिल चुकी है। मीडिया इसमें सरकार का पूरा साथ दे रहा है। अन्यथा अब तक इसे सांगठनिक हत्या मानकर सरकार से जवाबदेही की मांग सुर्खियों में रहती। नोटबंदी में मौतें, कोरोना काल और लॉकडाउन में असंख्य मौतों से जब सरकार का दिल नहीं पसीजा तो अब क्या कोई फर्क पड़ेगा, यह देखना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का सफर सिर्फ सत्ता में बने रहने की नहीं बल्कि संकल्प से सिद्धि की कहानी है

नीरज कुमार दुबे

7 अक्टूबर 2001, यह वह दिन था जब गुजरात विधानसभा के प्रांगण में एक साधारण स्वयंसेवक ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक सफर वहीं से प्रारंभ हुआ जो आज 25 वर्ष बाद भारतीय राजनीति के सबसे निर्णायक, सबसे प्रभावशाली नेतृत्व की कहानी बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने सोशल मीडिया संदेश में न केवल अतीत को याद किया, बल्कि ष्विकसित भारतष के अपने सपने को दोहराया। उन्होंने लिखाकृ "जनता के आशीर्वाद से मैं सरकार के मुखिया के रूप में सेवा के अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। मेरा हर प्रयास देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए रहा है।" देखा जाये तो 2001 में गुजरात का नेतृत्व संभालने वाले मोदी ने उस राज्य को उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक सुधारों का मॉडल बनाया। 2002 के बाद गुजरात ने जिस तीव्र गति से विकास किया, उसने पूरे देश में "गुजरात मॉडल" की चर्चा शुरू की। बिजली, जल प्रबंधन, कृषि उत्पादन और निवेश में राज्य ने नए आयाम स्थापित किए। यही मॉडल आगे चलकर 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी तक लेकर आया। जब उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश आर्थिक ठहराव, भ्रष्टाचार और वैश्विक अविश्वास से घिरा था। मोदी ने इस ठहराव को तोड़ते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ नई ऊर्जा भरी। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी आत्मविश्वास की नई परिभाषा गढ़ी। प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का यह सफर सिर्फ सत्ता में बने रहने की कहानी नहीं है; यह संकल्प से सिद्धि की कहानी है। पिछले दशक में भारत ने अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन देखे। डिजिटल इंडिया ने शासन और नागरिकों के बीच पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की। स्वच्छ भारत मिशन ने सामाजिक आंदोलन का रूप लिया। उज्ज्वला योजना से करोड़ों गरीब परिवारों की रसोई में धुआंमुक्त जीवन पहुंचा। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने अर्थव्यवस्था को नवाचार और आत्मविश्वास की दिशा दी। चंद्रयान–3 और गगनयान मिशन ने विज्ञान में भारत की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आज भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विश्व बैंक, प्डथ, तथा विश्व आर्थिक मंच तक इसे "ग्लोबल ब्राइट स्पॉट" कह रहे हैं। इसके अलावा, मोदी युग की एक सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि भारत की आक्रामक लेकिन संतुलित विदेश नीति रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ को नई प्रतिष्ठा दिलाई। ळ20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी ने भारत को 'विश्व के विश्वास' के केंद्र में ला खड़ा किया। इंडो–पैसिफिक रणनीति और क्वॉड गठबंधन में भारत की भूमिका अब निर्णायक है। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच मोदी का "यह युद्ध का युग नहीं है" वाला संदेश आज वैश्विक कूटनीति की मिसाल बन चुका है। इसके अलावा, अफ्रीका, खाड़ी देशों और दक्षिण एशिया में भारत ने न केवल व्यापारिक बल्कि सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को भी मजबूत किया है। मोदी की विदेश नीति की खासियत यह है कि उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के दर्शन को आधुनिक कूटनीति में ढाल दियाकृ जहां भारत न किसी के सामने झुकता है, न किसी को झुकाता है। आज, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में अपनी माँ की सलाह का उल्लेख करते हुए कहाकृ "उन्होंने कहा था, दो बातें कभी मत भूलनाकृ गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत मत लेना।" यही मूल्य आज उनके राजनीतिक जीवन की धुरी हैं। उनकी 'गरीब कल्याण' नीतियों से लेकर 'न्यू इंडिया' की दृष्टि तककृ हर कदम जनता के सशक्तिकरण की दिशा में रहा है। आज मोदी 25 वर्षों के इस सार्वजनिक जीवन में उस दौर के नेता हैं जिन्होंने न केवल सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया, बल्कि भारतीय राजनीति में 'गवर्नेंस का धर्म' स्थापित किया। देखा जाये तो 25 वर्षों की यात्रा में नरेंद्र मोदी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार बन चुके हैंकृ आत्मनिर्भरता, राष्ट्रगौरव और जनता के सशक्तिकरण का विचार। उनकी प्रतिबद्धता, वैश्विक दृष्टि और अडिग राष्ट्रवाद ने भारत को एक ऐसी राह पर डाल दिया है जहाँ "विकसित भारत" अब सपना नहीं, लक्ष्य बन चुका है। जैसे–जैसे देश 2047 की ओर बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश और प्रासंगिक हो उठता हैकृ "सेवा ही सम्मान है, और भारत का उत्थान ही मेरा धर्म।"

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81 : है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68 : आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15–64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए "जनसंख्या लाभांश" का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोजगारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (च्स्थै) 2023–24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोजगारी दर 3.2 : रही, जबकि युवाओं (15द्ध29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2 : तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हजार युवा जब शहरों की ओर रोजगार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हजार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोजगार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के

कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति–दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी–झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है कृ प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव–गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ–शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है। इन आंकड़ों में सुधार किए बिना "स्वस्थ भारत" का सपना अधूरा रहेगा। जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है। एक शिक्षित, स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति में बदल सकती है। भारत की यह जनसंख्या वास्तव में एक दोधारी तलवार है कृ यदि इसे दिशा, दृष्टि और अवसर मिले तो यही भारत को विश्वशक्ति बना सकती हैय और यदि यह अनियंत्रित रही तो यही देश की प्रगति की सबसे बड़ी बाधा सिद्ध हो सकती है। अब समय आ गया है कि हम "संख्या की भीड़" को "सक्षम शक्ति" में परिवर्तित करें। तभी यह भूमि अपने जनसमुदाय के भार से नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा से आलोकित होगी कृ और भारत अपने जनबल से जगत में "विकासशील" से "विकसित राष्ट्र" बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

हमारे परिवार की परी.. भाभी नीलम के बर्थडे पर प्रियंका चोपड़ा ने किया खास पोस्ट, तस्वीरों में झलकी ननद-भाभी की खूबसूरत बॉन्डिंग

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने अपनी भाभी नीलम उपाध्याय के बर्थडे को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर नीलम के साथ बिताए खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए। फैंस भी ननद–भाभी की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें नीलम, सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार की कई यादगार झलकियां नजर आईं। इस वीडियो में नीलम और सिद्धार्थ की शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरें भी थीं। वीडियो की शुरुआत प्रियंका और उनके भाई सिद्धार्थ की रिसेप्शन पार्टी की एक तस्वीर से हुई, जिसके बाद एक और फोटो में निक जोनास भी दिखाई दिए। इसके अलावा, प्रियंका ने नीलम और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास की एक कैंडिड तस्वीर भी शेयर की, जिसमें दोनों बेहद प्यारी लग रही थीं। तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा– "हमारे परिवार की परी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमेशा खुश रहो और यूं ही मुस्कुराती रहो।"इस पोस्ट को री–शेयर करते हुए नीलम ने लिखा– "सबसे अच्छी ननद, लव यू!" प्रियंका ने अपनी भाभी को "एंजेल ऑफ द फैमिली" का प्यारा टैग भी दिया। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय की शादी इसी साल की शुरुआत में पंजाबी रीति–रिवाजों से हुई थी। इस मौके पर प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनास और बेटी मालती के साथ भारत आई थीं। शादी में बैंड–बाजा–बारात के साथ पूरा चोपड़ा परिवार जमकर नाचा था।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में 'हेड्स ऑफ स्टेट' में इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ नजर आई थीं। अब वह अपनी हिट वेब सीरीज 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन में दिखेंगी। इसके अलावा, प्रियंका 'द ब्लफ' में 19वीं सदी की एक कैरिबियन समुद्री डाकू की भूमिका निभाने वाली हैं। साथ ही वह एस.एस. राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'ग्लोबट्रॉटर' में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी।

आलिया भट्ट से निकिता दत्ता तक, बॉलीवुड की योग देवियां जो फिटनेस में भरती हैं प्राण

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है।

शिल्पा शेट्टी

पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज और डिजिटल फिटनेस प्लेटफॉर्म्स के जरिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत

कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज जीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

निकिता दत्ता

नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म–संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं।

उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दर्शाती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक–दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है।

आलिया भट्ट

व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दर्शाती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं। उन्होंने अपना खुद का वेलनेस स्टूडियो स्थापित किया है और योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के समग्र मार्ग के रूप में प्रचारित करती हैं। उनके लिए योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखने का साधन है। चाहे शिल्पा की शांति हो या आलिया की अनुशासन भरी लचक, निकिता की आत्मिक गहराई हो या मलाइका का समर्पण, इन बॉलीवुड देवियों ने साबित कर दिया है कि असली सुंदरता और ताकत भीतर की संतुलन से आती है।

तेरे इश्क में' का टीजर पसंद आया? तो देखें ये 5 अधूरी मोहब्बत वाली फिल्में

'तेरे इश्क में' के टीजर ने एक बार फिर उन फिल्मों की याद ताजा कर दी है, जो दिल को एक साथ तोड़ती भी हैं और जोड़ती भी हैं। अगर आपको ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें प्यार उतना ही खूबसूरत है जितना दर्दनाक, तो यहां हैं 5 रोमांटिक फिल्में जो अधूरे इश्क की कहानी बयां करती हैं...

1. देवदास (2002)

संजय लीला भंसाली की देवदास अधूरे प्यार और आत्मविनाश की सबसे भावुक कहानी है। देवदास अपने बचपन के प्यार पारो से दूर हो जाता है, समाज और अहंकार की वजह से। पारो किसी और से शादी कर लेती है और देवदास शराब में डूब जाता है। चंद्रमुखी उसका दर्द समझती है, लेकिन उसका दिल हमेशा पारो में ही अटका रहता है। पारो के द्वार पर देव की आखिरी सांस आज भी सिनेमा की सबसे करुण यादों में से एक है।

2. रॉकस्टार (2011)

इम्तियाज अली की रॉकस्टार एक जलती हुई प्रेमकहानी है जहां कला और दर्द एक–दूसरे से गले मिलते हैं। जनार्दन (रणबीर कपूर) हीर (नरगिस फाखरी) से ऐसा प्यार करता है जो उसकी आत्मा को झकझोर देता है। उनका रिश्ता अधूरा रह जाता है, लेकिन उसी अधूरेपन से जन्म लेती है उसकी कला। ए. आर. रहमान का संगीत और रणबीर की अदाकारी इस कहानी को अमर बना देते हैं।

3. कल हो ना हो (2003)

करण जौहर की कल हो ना हो प्रेम, त्याग और विदाई की भावुक कहानी है। अमन (शाहरुख खान) अपनी बीमारी छिपाकर नैना (प्रीति जिंटा) को उसके दोस्त रोहित (सैफ अली खान) से मिलाने की कोशिश करता है ताकि वह खुश रह सके। अमन का मौन बलिदान और उसका आखिरी अलविदा दर्शकों की आंखें नम कर देता है।

4. रांझणा (2013)

आनंद एल. राय की रांझणा प्यार की वह कहानी है जो जितनी खूबसूरत है उतनी ही पीड़ादायक। कुंदन (धनुष) बचपन से जोया (सोनम कपूर) से प्यार करता है, पर जोया किसी और से मोहब्बत करती है। उसका प्यार पागलपन में बदल जाता है और अंत में वह अपनी ही मोहब्बत में मिट जाता है। धनुष का दर्द भरा अभिनय इस अधूरे प्यार को अमर बना देता है।

5. आशिकी 2 (2013)

मोहित सूरी की आशिकी 2 एक ऐसी प्रेमकहानी है जो शोहरत, नशे और बलिदान के बीच फंसी है। राहुल (आदित्य रॉय कपूर) आरती (श्रद्धा कपूर) को स्टार बनाता है, लेकिन खुद अपनी कमजोरी से हार जाता है। अपने प्यार को आजाद करने के लिए वह खुद को खत्म कर देता है। इसका हर गीत, हर सीन दिल में उतर जाता है।

फिल्म 'तेरे इश्क में' के बारे में

तेरे इश्क में को गुलशन कुमार, टी–सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शन्स ने मिलकर बनाया है। फिल्म का निर्देशन आनंद एल. राय ने किया है और इसे हिमांशु शर्मा व नीरज यादव ने लिखा है। संगीत ए. आर. रहमान का है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म में धनुष और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में विश्वभर में रिलीज होगी।

पत्नी के आरोपों के बाद बुरा फंसे पवन सिंह, फैंस बोले– शर्म आ रही है तुम पर

पत्नी ज्योति सिंह द्वारा व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद पवन सिंह को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता–राजनेता पवन सिंह को अपनी पत्नी ज्योति सिंह द्वारा उन पर व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में, ज्योति सिंह इंस्टाग्राम पर लाइव आईं और खूब रोईं।

जब वह लखनऊ स्थित पवन सिंह के आवास पर पहुंचीं, तो पुलिस उन्हें थाने ले जाने के लिए पहले से ही मौजूद थी। पुलिस ने कहा कि पवन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है, इसलिए ज्योति को थाने आना चाहिए। हालांकि ज्योति सिंह थाने नहीं गईं और इंस्टाग्राम पर लाइव हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान कहा–ये पवन सिंह समाज की सेवा करेगा जो अपनी पत्नी को बाहर निकालने के लिए पुलिस बुला रहा है। जब चुनाव था, तो उसने मुझे बुलाया और मेरा नाम इस्तेमाल किया। फिर वो किसी और लड़की के साथ होटल गया। सब पूछते थे कि मैं अपने घर क्यों आई, ये नहीं कि पवन जी हमारे सामने एक लड़की के साथ होटल क्यों गए। ज्योति ने आगे कहा–पत्नी होने के नाते मैं अपने पति को किसी और लड़की के साथ नहीं देख सकती थी, इसलिए मैं चली गई। जब तुम अपनी बहन और बेटी के साथ होगे, तब तुम्हें पता चलेगा। उन्हें अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में खूब सपोर्ट मिला। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा–पवन, तुम्हें शर्म आनी चाहिए कि तुम अपनी पत्नी के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हो, ये बहुत गलत है भाई। एक अन्य यूजर ने लिखा–मुझे लगा था कि आज सब ठीक हो जाएगा और दोनों साथ होंगे, लेकिन ऐसा नजारा देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। एक तीसरे यूजर ने लिखा, हमने कभी नहीं सोचा था कि पवन सिंह इतना गिर जाएंगे। ज्योति सिंह के साथ बहुत गलत हुआ। पवन सिंह के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट पर भी नेटिजन्स ने उनके व्यवहार की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा–पवन, आप अपनी लड़की के साथ ऐसा कर रहे हैं, हमें शर्म आती है कि हम आपके प्रशंसक हैं।

फोर्थ स्टेज कैंसर से जूझ रही नफीसा अली ने शेयर की बाल्ड लुक की तस्वीरें, फैंस ने की दुआएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया नफीसा अली इन दिनों कैंसर की चौथी स्टेज से जूझ रही हैं। इस घातक बीमारी से जंग के बीच वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में नफीसा ने अपने इलाज के दौरान की एक नई तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका बाल्ड लुक देखने को मिल रहा है। नफीसा अली ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वो बिना बालों के नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, सकारात्मक शक्ति।

ऑयली स्किन से हैं परेशान? आजमाएं ये 3 एसेंशियल ऑयल, पिंपल्स की छुट्टी!

ऑयली स्किन से कई बार हम सभी परेशान हो जाते हैं, क्योंकि चेहरे पर ऑयल प्रोडक्शन होने से पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए क्या–क्या नहीं करते हैं। एक्ने और पोर्स क्लॉग की ससमस्या से खत्म ही नहीं होती है। ऑयली स्किन के कारण बार–बार चेहरे को धोते हैं, तो ऐसा करना भी सही नहीं होता है, स्किन और भी ज्यादा ऑयली हो जाती है, क्योंकि सीबम का अधिक उत्पादन होने लगता है। अगर आप ऑयली स्किन का ख्याल रखना चाहते हैं, तो आप एसेंशियल ऑयल का प्रयोग कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कौन–से एसेंशियल ऑयल चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं, जिससे आपकी ऑयली स्किन को फायदा मिले।

टी ट्री ऑयल

ऑयली स्किन वाले आप टी ट्री का ऑयल अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इसे अपने स्किन केयर रुटीन में जरुर शामिल करें। टी ट्री ऑयल में नेचुरली एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल होता है, जो ब्रेकआउट्स को कम करने में मदद करता है और यह अतिरिक्त ऑयल को भी चेहरे से हटा देता है। इतना ही नहीं, यह ऑयल सूजन और रेडनेस को भी कम कर देता है। टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले आप एक से दो बूंद ऑयल को किसी भी कैरियल ऑयल में मिक्स करके अपने चेहरे पर लगा सकती हैं।

रोजमेरी ऑयल

ऑयली स्किन की केयर करने के लिए आप रोजमेरी ऑयल को चेहरे पर लगा सकती हैं। इसके इस्तेमाल से सीबम को बैलेंस करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही यह स्किन में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। इतना ही नहीं, यह स्किन को नेचुरली टोन और टाइट करता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवंडर ऑयल स्किन को सॉफ्ट बनता है और यह ऑयल को भी बैलेंस करता है। यदि आपकी स्किन ऑयली के साथ ही सेंसटिव है, तो आप लैवेंडर ऑयल का यूज कर सकती हैं। यह चेहरे के दाग–धब्बे और फुंसियों को ठीक करने में मदद करता है। इसके साथ ही यह एक फ्रेश और सूदिंग खुशबू भी प्रदान करता है। आप इसआप चाहें तो एक स्प्रे बोतल में पानी के साथ मिलाकर एक ताजा फेशियल मिस्ट बना सकती हैं।

केवल चर्बी नहीं ब्राउन फैट, वजन घटाने में कैसे करता है मदद, डॉक्टर ने किया खुलासा

मोटापे के खिलाफ जंग में अब एक नया खिलाड़ी सामने आया है और हैरानी की बात यह है कि यह खुद एक तरह की फैट (चर्बी) है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि ब्राउन फैट मोटापे के इलाज में एक नई उम्मीद बन सकता है।

ब्राउन फैट क्या है?

ब्राउन फैट, जिसे वैज्ञानिक भाषा में ब्राउन एडिपोज टिश्यू कहा जाता है, शरीर में बहुत कम मात्रा में पाया जाता है। यह मुख्य रूप से गर्दन और ऊपरी पीठ के आसपास मौजूद होता है। जहां व्हाइट फैट शरीर में ऊर्जा को संग्रहित करता है, वहीं ब्राउन फैट ऊर्जा को जलाकर गर्मी पैदा करता है। यही इसे मोटापे से लड़ने में खास बनाता है।

ब्राउन फैट कैसे काम करता है?

ब्राउन फैट की सबसे खास बात यह है कि यह थर्मोजेनेसिस नामक प्रक्रिया करता है, यानी शरीर में गर्मी पैदा करता है। ठंडे मौसम में यह प्रक्रिया शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करती है। ब्राउन फैट की कोशिकाएं माइटोकॉन्ड्रिया से भरपूर होती हैं, जो इसे इसका भूरा रंग देती हैं और कैलोरी जलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शरीर को गर्म करने की क्षमता

जब ब्राउन फैट सक्रिय होता है, तो यह नॉन–शिवरिंग थर्मोजेनेसिस नामक प्रक्रिया से गुजरता है।

इस दौरान कोशिकाएं ग्लूकोज और फैट मॉलेक्यूल्स को तोड़कर गर्मी पैदा करती हैं।

यह प्रक्रिया न केवल शरीर को ठंड से बचाती है, बल्कि ऊर्जा खर्च को भी बढ़ाती है।

इसका सीधा फायदा यह है कि वजन घटाने की संभावना बढ़ जाती है।

शोध क्या कहता है: एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों में ब्राउन फैट अधिक सक्रिय होता है, वे कम सक्रिय ब्राउन फैट वाले लोगों की तुलना में लगभग 15: अधिक कैलोरी जलाते हैं।

मोटापे के इलाज में नई दिशा

ब्राउन फैट पर हो रहे शोध से संकेत मिलते हैं कि भविष्य में इसे वजन घटाने और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जहां पहले फैट को सिर्फ शरीर की अनचाही चर्बी माना जाता था, वहीं अब ब्राउन फैट यह साबित कर रहा है कि हर फैट बुरा नहीं होता।

ब्राउन फैट को बढ़ाने और वजन घटाने के आसान तरीके

ठंडी हवा में रहें

ब्राउन फैट को सक्रिय करने के लिए ठंडी हवा में रहना बहुत फायदेमंद है। यह ठंडे वातावरण में अधिक एक्टिव होता है, इसलिए हल्की ठंडी जगह पर समय बिताना या

ठंडी हवा में थोड़ी एक्सरसाइज करना लाभकारी है। इसके अलावा, ठंडे पानी से शॉर्ट शॉवर लेना भी ब्राउन फैट को सक्रिय करने और कैलोरी बर्न करने में मदद करता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

ब्राउन फैट को सक्रिय रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। वॉकिंग, जॉगिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी एक्टिविटी ब्राउन फैट की सक्रियता को बढ़ाती हैं। एक्सरसाइज के दौरान शरीर में ऊर्जा खर्च बढ़ता है और कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

हेल्दी डाइट अपनाएं

ब्राउन फैट को सक्रिय रखने के लिए हेल्दी डाइट अपनाना बहुत जरूरी है। इसमें एवोकाडो, अखरोट, अलसी और मछली जैसी हेल्दी फैट्स शामिल करें। इसके अलावा, मसालेदार खाना, ग्रीन टी और हर्बल ड्रिंक्स भी थर्मोजेनेसिस को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और कैलोरी बर्निंग को सक्रिय रखते हैं।

पर्याप्त नींद और स्ट्रेस कंट्रोल

ब्राउन फैट को सही तरीके से सक्रिय रखने के लिए पर्याप्त नींद और स्ट्रेस कंट्रोल बेहद जरूरी है। रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान और गहरी सांस की एक्सरसाइज अपनाएं। जब स्ट्रेस कम होता है, तो ब्राउन फैट बेहतर तरीके से काम करता है और कैलोरी बर्निंग की प्रक्रिया प्रभावी रहती है।

धीरे–धीरे वजन घटाएं

ब्राउन फैट की सक्रियता बनाए रखने के लिए धीरे–धीरे वजन घटाना जरूरी है। अचानक या अत्यधिक डाइटिंग करने से ब्राउन फैट की एक्टिविटी कम हो सकती है। इसलिए हेल्दी कैलोरी डिफिसिट और संतुलित डायट अपनाना सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। ब्राउन फैट एक ऐसा प्राकृतिक तत्व है जो शरीर में कैलोरी बर्न करने में मदद करता है और मोटापे को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। इसलिए मोटापे और हेल्दी मेटाबॉलिज्म के लिए ब्राउन फैट पर ध्यान देना और इसे सक्रिय रखना महत्वपूर्ण हो सकता है।

करवा चौथ पर सास को क्या दिया जाता है? जानिए 'बायना' देने की परंपरा

साल 2025 में करवा चौथ का व्रत शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। यह दिन हर सुहागन महिला के लिए बेहद खास होता है। महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र और दांपत्य सुख की कामना करती हैं। व्रत की शुरुआत सुबह सूर्योदय से पहले 'सरगी' से होती है और रात को 8.13 बजे चंद्रोदय के बाद व्रत खोला जाता है। इस पावन अवसर पर सिर्फ पूजा ही नहीं, बल्कि कई रस्में निभाई जाती हैं, जिनमें से एक अहम परंपरा है 'बायना' देने की।

क्या है करवा चौथ का 'बायना'?

करवा चौथ की पूजा में 'बायना' का विशेष महत्व होता है। यह एक पारंपरिक रिवाज है जिसमें बहू अपनी सास को सम्मान और प्रेम स्वरूप कुछ उपहार देती है। इसे "बायना देना" कहा जाता है। यह न केवल श्रद्धा और स्नेह का प्रतीक है, बल्कि इस रिवाज के माध्यम से बहू अपनी सास से आशीर्वाद प्राप्त करती है। परंपरानुसार सास भी अपनी बहू को कुछ उपहार देती है, जिससे दोनों के बीच प्यार और संबंध की मिठास बनी रहती है।

बायना में क्या–क्या दिया जाता है?

करवा चौथ के बायना में साड़ी, सुहाग की सामग्री और मिठाइयां देना शुभ माना जाता है। बहू एक थाल को सुंदरता से सजाती है और उसमें यह सामान रखती है

साड़ी या सूट

चूड़ी, बिंदी, बिछिया, पायल

मेंहदी, सिंदूर, काजल

मिठाई, नारियल और फल

इन सभी चीजों का अपना धार्मिक और प्रतीकात्मक महत्व होता है। ये सौभाग्य, प्रेम और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती हैं। पूजा के बाद बायना सास को दिया जाता है, जिससे माना जाता है कि बहू को सदा सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

बायना देने का सही समय और तरीका

बायना देने का सबसे शुभ समय पूजा–अर्चना और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद माना जाता है। परंपरा के अनुसार, जब बहू चांद देखकर व्रत खोलती है, तो उसके बाद वह अपनी सास के पैर छूकर आशीर्वाद लेती है और बायना देती है। यह परंपरा सास के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और प्रेम का प्रतीक है। बायना देते समय मन में शुभ भाव और श्रद्धा होनी चाहिए, तभी इसका पूर्ण फल मिलता है।

अगर सास न हो तो किसे दिया जाए बायना?

अगर किसी महिला की सास जीवित नहीं हैं या दूर रहती हैं, तो वह बड़ी ननद, जेठानी या किसी बुजुर्ग सुहागिन स्त्री को भी बायना दे सकती है। यह कार्य धार्मिक दृष्टि से उतना ही शुभ माना जाता है। यह परंपरा केवल वस्तु देने की नहीं, बल्कि सुख, समृद्धि और आशीर्वाद पाने की भावना से जुड़ी है। करवा चौथ पर बायना देना परिवारिक रिश्तों को मजबूत करने और वैवाहिक जीवन में सकारात्मकता लाने का सुंदर माध्यम है।

क्यों जरूरी है बायना देना?

कहा जाता है कि बायना के बिना करवा चौथ का पर्व अधूरा माना जाता है। यह एक ऐसा रिवाज है जो पीढ़ियों से चला आ रहा है और सास–बहू के संबंधों को और मजबूत करता है। इस परंपरा के माध्यम से बहू न केवल अपनी श्रद्धा व्यक्त करती है बल्कि अपने जीवन में सौभाग्य, समृद्धि और प्रेम का आशीर्वाद भी आमंत्रित करती है। करवा चौथ सिर्फ व्रत का दिन नहीं बल्कि भावनाओं, रिश्तों और परंपराओं का उत्सव है। 'बायना'

इस त्योहार की आत्मा है, जो सास–बहू के रिश्ते में सम्मान, स्नेह और आशीर्वाद का पुल बनाता है। इसलिए इस करवा चौथ, जब आप चांद का दीदार करें, तो अपने बायना की थाली भी श्रद्धा से सजाएं और दिल से आभार व्यक्त करें उस रिश्ते के लिए जो घर की नींव को मजबूत बनाता है।

संक्षिप्त

विंडोज़ 10 यूजर्स के लिए राहत, फ्री में पाएं एक साल का एक्सट्रा सपोर्ट, जानिए कैसे?

माइक्रोसॉफ्ट ने भारत समेत दुनिया भर के विंडोज़ 10 उपयोगकर्ताओं को चेतावनी दी है कि इस महीने से उनके सिस्टम के लिए आधिकारिक समर्थन समाप्त हो जाएगा। इसका मतलब है कि अब सुरक्षा अपडेट, बग फिक्स और तकनीकी सहायता उपलब्ध नहीं होगी। भारत में करोड़ों लोग अब भी विंडोज़ 10 पर काम करते हैं, इसलिए यह बदलाव कई उपयोगकर्ताओं के लिए बड़ा झटका हो सकता है। कंपनी ने उपयोगकर्ताओं के लिए दो विकल्प दिए हैं। या तो वे अपने सिस्टम को विंडोज़ 11 में अपग्रेड करें, या फिर पैसे देकर विंडोज़ 10 को कुछ समय तक और चलाते रहें। माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि पुराने सिस्टम पर बिना अपडेट के काम करने से साइबर हमलों और वायरस का खतरा काफी बढ़ जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने एक विकल्प भी दिया है जिसमें उपयोगकर्ता बिना पैसे खर्च किए एक साल तक अतिरिक्त सुरक्षा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उपयोगकर्ता अपने डेटा का बैकअप "विंडोज़ बैकअप क्लाउड एप" में कर सकते हैं या 1000 माइक्रोसॉफ्ट रिवार्ड पॉइंट्स का उपयोग कर सकते हैं। यह सुविधा "विस्तारित सुरक्षा अपडेट" कार्यक्रम के तहत 15 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध होगी। जिनके पास पर्याप्त रिवार्ड पॉइंट्स नहीं हैं, वे करीब 30 डॉलर (लगभग 2,500 रुपये) देकर यह सुविधा ले सकते हैं। माइक्रोसॉफ्ट रिवार्ड पॉइंट्स कमाने के लिए उपयोगकर्ताओं को कंपनी के अकाउंट से खोज करना, स्टोर से खरीदारी करना, गेम खेलना और अन्य गतिविधियों में भाग लेना होगा। हालांकि, 1000 पॉइंट्स जुटाना समय और नियमित सक्रियता मांगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से माइक्रोसॉफ्ट धीरे–धीरे पुराने सिस्टम छोड़कर नए प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं को लाना चाहती है। भारत में छोटे व्यवसाय, साइबर कैफे और सरकारी कार्यालयों में अब भी लाखों कंप्यूटर विंडोज़ 10 पर चल रहे हैं। विंडोज़ 11 में अपग्रेड करने के लिए नए सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की आवश्यकता होती है, जिससे खर्च बढ़ जाता है। ऐसे में यह एक्सटेंशन आम उपयोगकर्ताओं के लिए राहत का विकल्प साबित हो सकता है। देश के गांव और छोटे कस्बों में, जहां इंटरनेट और नए उपकरणों की पहुंच सीमित है, इस बदलाव को चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

केनरा एचएसबीसी लाइफ का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 100–106 रुपये प्रति शेयर

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 100–106 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बीमा कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा, 2,516 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुलेगा और 14 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक नौ अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसमें केनरा बैंक की 51 प्रतिशत और एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। केनरा एचएसबीसी लाइफ का आईपीओ पूर्णतरू 23.75 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है। बिक्री पेशकश के तहत केनरा बैंक की 13.77 करोड़ शेयर, एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया–पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड की 47.5 लाख शेयर और निवेशक पंजाब नेशनल बैंक की 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना है। केनरा एचएसबीसी लाइफ का शेयर 17 अक्टूबर को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है।

भारत ने अंटार्कटिका तक वैज्ञानिक उपकरण पहली बार हवाई मार्ग से भेजा, रचा इतिहास

भारत ने अंटार्कटिका तक अपने वैज्ञानिक उपकरण पहली बार हवाई मार्ग से पहुँचाने का इतिहास रचा है। 2 अक्टूबर को रूसी कार्गो विमान प्स–76 गोवा के मोपा हवाई अड्डे से उड़ान भरकर लगभग 18 टन वैज्ञानिक उपकरण, दवाइयां, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक सामग्री भारतीय शोध स्टेशनों 'भारती' और 'मैत्री' तक ले गया। यह मिशन ड्रोनिंग मॉड लैंड एयर नेटवर्क की मदद से संभव हुआ। बता दें कि अब तक भारत अपने अंटार्कटिक अभियान के लिए समुद्री मार्ग का ही इस्तेमाल करता था। 1981 से शुरू हुए अभियानों में जहाजों के जरिए उपकरण भेजे जाते थे। लेकिन हाल के वर्षों में अनुमति में देरी और समुद्री आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। एनसीपीओआर के निदेशक थंबन मेलोथ ने बताया कि कोविड–19 के बाद उपकरण समय पर नहीं पहुँचते थे, जिससे शोध कार्य प्रभावित हो रहा था। इसलिए पहली बार एयर कार्गो का निर्णय लिया गया। IL-76 विमान भारी उपकरण ले जाने में सक्षम है और सीधे अंटार्कटिका के बर्फीले रनवे पर उतर सकता है। भारत का अंटार्कटिका से संबंध 1980 के दशक से है। पहला अनुसंधान केंद्र 'दक्षिण गंगोत्री' 1983 में बना था, लेकिन बंद करना पड़ा। बाद में 1989 में 'मैत्री' और 2012 में 'भारती' स्टेशन स्थापित किए गए। इन दोनों केंद्रों में एक समय पर लगभग 70 वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारी काम करते हैं और यहां मौसम विज्ञान, भूविज्ञान, हिमनद विज्ञान, जैवविज्ञान और पर्यावरण पर शोध होता है।

गंभीर के कोच बनने पर बढ़े विवाद ? मनोज तिवारी का आरोप- विराट-रोहित को बाहर करने का माहौल बनाया गया

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी मनोज तिवारी ने मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर पर बड़ा आरोप लगाया है। तिवारी का कहना है कि गंभीर के कोच बनने के बाद टीम में ऐसा माहौल बनाया गया जिससे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को जल्द संन्यास लेने पर मजबूर होना पड़ा। इन तीनों खिलाड़ियों ने पिछले एक साल के अंदर या तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अलग–अलग प्रारूप को अलविदा कहा। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, जबकि रोहित और कोहली ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

श्सीनियर खिलाड़ी सवाल करते हैं, इसलिए उन्हें हटाया गयाश

मनोज तिवारी ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, अगर टीम में अश्विन, रोहित या विराट जैसे सीनियर खिलाड़ी मौजूद हैं, तो ये लोग अनुभव के दम पर सवाल भी उठाते हैं। शायद इसी वजह से सुनिश्चित किया गया कि ये खिलाड़ी टीम में न रहें। तिवारी ने आगे कहा कि गंभीर के कोच बनने के बाद से कई विवाद सामने आए हैं। उन्होंने कहा, श्जब से वह कोच बने हैं, बहुत सी चीजें बदल गई हैं। कई विवाद हुए हैं। मुझे लगता है, जो कुछ हो रहा है वो भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

गंभीर के कार्यकाल में बढ़े विवाद

तिवारी ने कहा कि गंभीर के कोच बनने के बाद से चयन और फैसलों को लेकर लगातार अस्थिरता दिख रही है। उन्होंने कहा, कभी अचानक किसी खिलाड़ी को स्क्वॉड में जोड़ा जा रहा है और तुरंत प्लेइंग इलेवन में मौका दिया जा रहा है। कई फैसलों में निरंतरता की कमी है। यह टीम के माहौल के लिए सही नहीं है। उन्होंने गंभीर पर परोक्ष रूप से यह भी आरोप लगाया कि वह सीनियर खिलाड़ियों के प्रभाव से बचना चाहते हैं ताकि उनकी बातों को चुनौती न मिले।

विराट और रोहित ने भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयां दीं

मनोज तिवारी ने दोनों सीनियर खिलाड़ियों की उपलब्धियों को याद करते हुए कहा, विराट और रोहित ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। ये खिलाड़ी हमेशा टीम के लिए दिल से खेले हैं। लेकिन अगर माहौल ऐसा बने कि उन्हें लगे कि अब उनकी जरूरत नहीं है, तो वे खुद ही पीछे हट जाते हैं।

2027 विश्व कप से पहले बड़ा सवाल

तिवारी ने कहा कि अगर गौतम गंभीर आने वाले 2027 वर्ल्ड कप के लिए विराट और रोहित को अपनी योजनाओं में शामिल नहीं करते, तो यह बहुत बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा, अगर गंभीर इन दोनों दिग्गजों को वर्ल्ड कप योजना से बाहर रखते हैं, तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए गलत कदम होगा। सफेद गेंद क्रिकेट में इन दोनों का कोई तोड़ नहीं है।

शुभमन कप्तान बनना नहीं चाहते थे, BCCI ने दबाव डाला, कैफ का दावा, अगरकर पर साधा निशाना!

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व स्टार खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनका दावा है कि शुभमन गिल खुद वनडे टीम की कप्तानी नहीं चाहते थे, लेकिन बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने उन पर दबाव बनाकर यह जिम्मेदारी थमा दी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब गिल ने रोहित शर्मा की जगह भारत की वनडे टीम की कमान संभाली है और इस फैसले ने क्रिकेट जगत में बहस छेड़ दी है। कैफ ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्यह सब तय था, लेकिन मुझे लगा कि यह फैसला 2027 वर्ल्ड कप के बाद होगा। शुभमन में क्वालिटी है, उन्होंने फिटनेस पर काफी काम किया है। वे वर्ल्ड कप 2027 खेलने की वास्तविक संभावना रखते हैं। लेकिन उन पर बहुत जल्दी बहुत कुछ डाल दिया गया है। ऐसा जल्दी–जल्दी सब मिलना नुकसानदायक भी हो सकता है।श कैफ के मुताबिक, गिल पर अचानक कप्तानी का बोझ डालना एक जोखिम भरा कदम हो सकता है क्योंकि इससे उनके प्रदर्शन और आत्मविश्वास दोनों पर असर पड़ सकता है। कैफ ने कहा कि शुभमन गिल ने खुद कप्तानी नहीं मांगी, बल्कि चयनकर्ताओं, खासकर अजित अगरकर के दबाव में यह जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, श्मेरी बात यह है कि खिलाड़ी को ज्यादा बोझ मत दो। गिल टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं, नंबर चार पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था, अब वनडे में कप्तान बना दिया। सबकुछ बहुत जल्दी किया जा रहा है। खिलाड़ी कभी कप्तानी की मांग नहीं करता। सबको पता है कि उसने खुद यह नहीं चाही थी। लेकिन चयनकर्ता, जिनमें अजित अगरकर भी हैं, उन्होंने दबाव बनाया।श इस बयान से कैफ ने चयन समिति के निर्णयों पर सीधा सवाल उठा दिया है।

बीसीसीआई का तर्क–2027 वर्ल्ड कप की तैयारी

बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने कहा था कि टीम प्रबंधन चाहता है कि गिल को लंबी अवधि तक कप्तान के रूप में तैयार किया जाए, ताकि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह सेट हो सकें। हालांकि, इस फैसले से रोहित शर्मा को पूरी तरह कप्तानी भूमिका से अलग कर दिया गया है, जबकि वे ऑस्ट्रेलिया सीरीज की टीम में शामिल जरूर हैं।

तीन फॉर्मेट में जिम्मेदारी, बढ़ता दबाव

वर्तमान में शुभमन गिल भारत के टेस्ट और वनडे दोनों टीमों

के कप्तान हैं और टी20 टीम के उपकप्तान भी हैं। कैफ का मानना है कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी एक युवा खिलाड़ी पर डालना जल्दबाजी है। उन्होंने कहा, श्जब किसी खिलाड़ी पर तीनों फॉर्मेट में इतनी जिम्मेदारी डाल दी जाती है, तो थकान और मानसिक दबाव बढ़ता है। इससे उसका नैचुरल गेम प्रभावित हो सकता है।

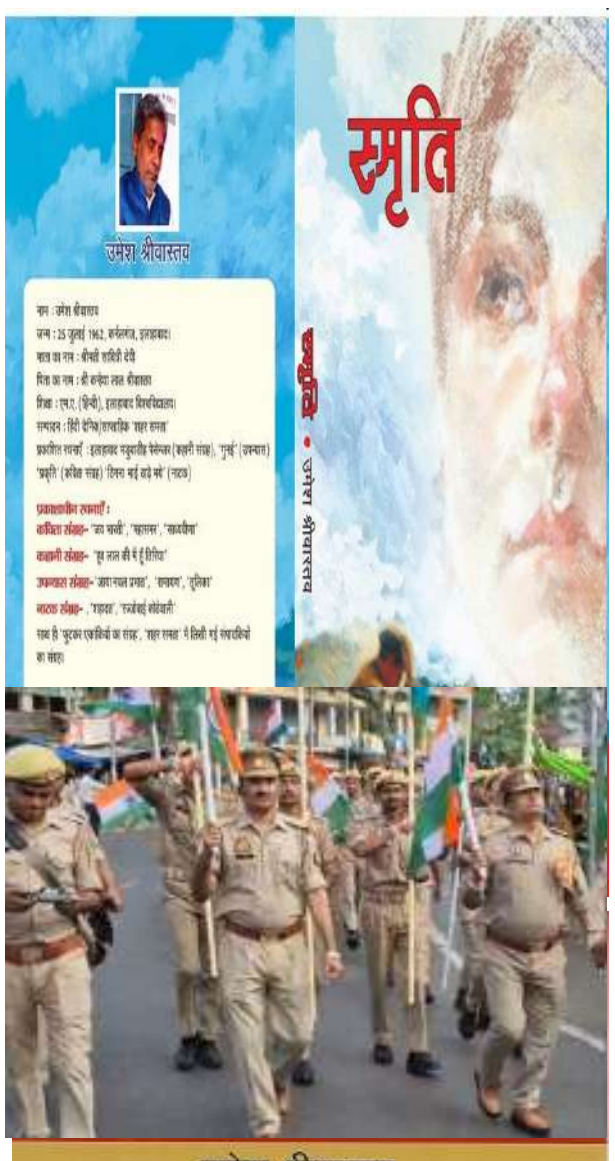

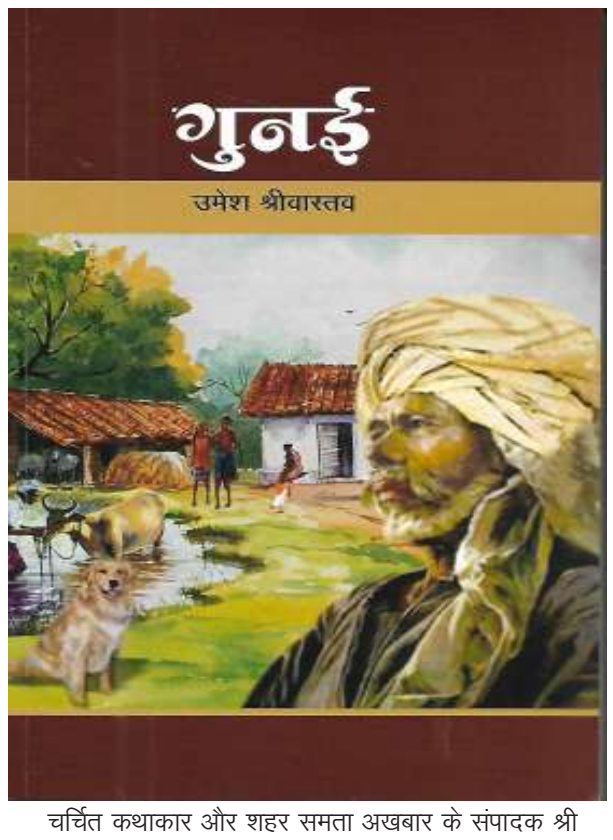

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

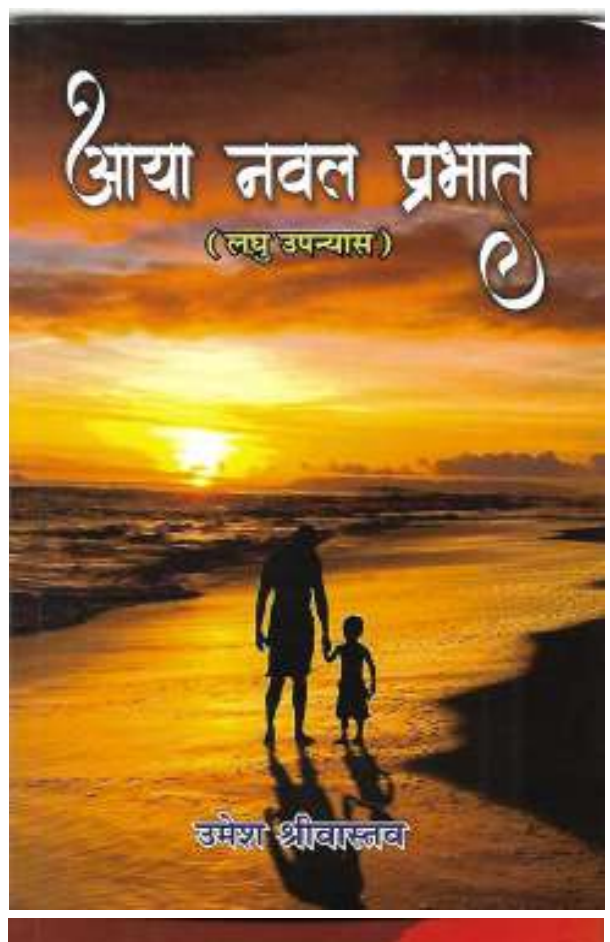

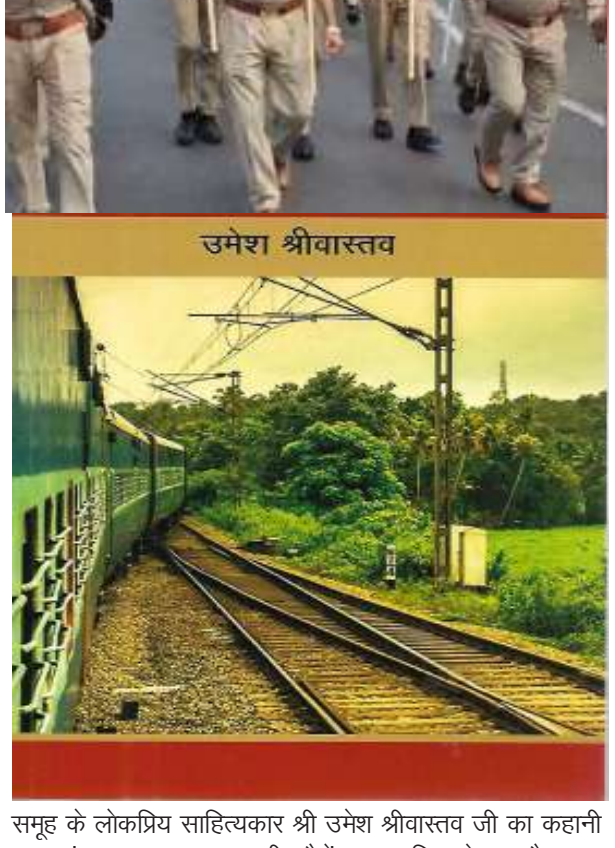

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

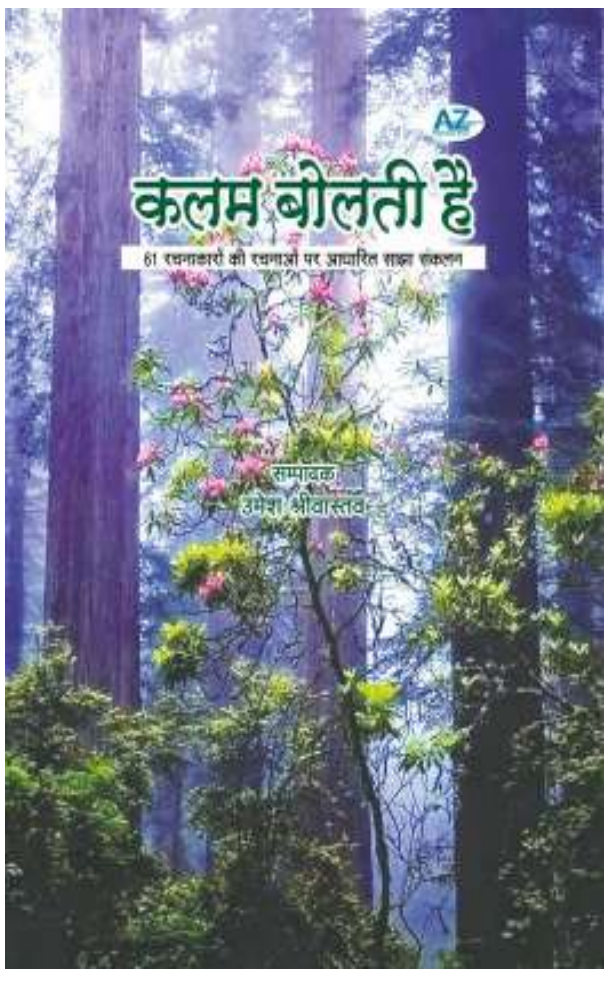

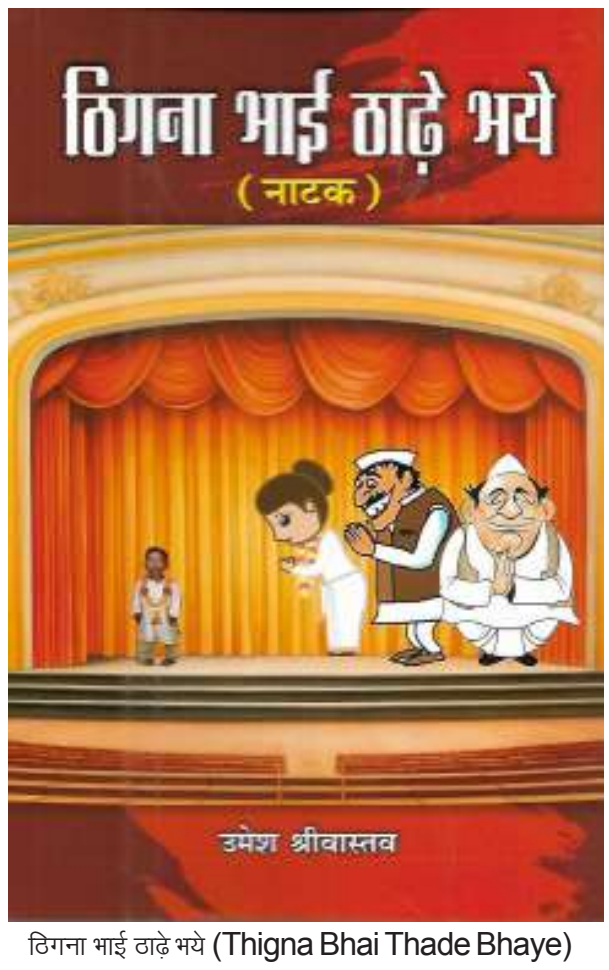

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इंडोनेशिया में दिल दहलाने वाला हादसाः स्कूल ढहने से 61 छात्रों की मौत, दो अब भी लापता

इंडोनेशिया में एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के प्रार्थना कक्ष के ढहने के बाद लापता हुए छात्रों की तलाश कर रहे बचाव कर्मियों ने सोमवार को 12 और छात्रों के शव बरामद किए जिससे घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। यह इमारत 29 सितंबर को उस समय ढह गई जब छात्र दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इनमें ज्यादातर लड़के थे। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के सिदोअर्जो में स्थित सौ साल पुराने 'अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल' की इमारत का अनाधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि केवल

एक छात्र ही सुरक्षित बच पाया, जबकि चोटिल हुए 99 छात्रों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। गंभीर रूप से घायल चार छात्र सोमवार तक अस्पताल में भर्ती रहे। इमारत ढहने के तीन दिन बाद छात्रों के जीवित बचने के कोई संकेत नहीं मिलने पर अधिकारियों ने पिछले हफ्ते तेजी से मलबा हटाने का काम पूरा करने के लिए भारी उत्खनन मशीनों का सहारा लिया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि बचावकर्मियों ने सोमवार को मलबे से 12 शव निकाले। बचावकर्मी अब भी दो छात्रों की तलाश जारी रखे हुए हैं जो कथित तौर पर लापता हैं। किसी के भी जीवित बचने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर शव ऐसी हालत में थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। रिश्तेदारों ने पूर्वी जावा प्रांत की राजधानी पड़ोसी शहर सुरबाया के भयांगकारा पुलिस अस्पताल में पहचान में मदद के लिए डीएनए नमूने उपलब्ध कराए।

पाकिस्तान में फिर जाफर एक्सप्रेस पर हमला, ब्लास्ट में कई घायल, इस विद्रोही समूह ने ली जिम्मेदारी

सिंध–बलूचिस्तान सीमा के पास सुल्तानकोट इलाके में मंगलवार को जाफ़र एक्सप्रेस ट्रेन पर हमला हुआ, जब पटरियों पर एक विस्फोटक उपकरण लगा दिया गया। विस्फोट के बाद क्वेटा जा रही ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। शुरुआती बचाव कार्यों की रिपोर्टों में कई लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है, हालाँकि नुकसान और हताहतों की पूरी संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। बचाव दल और सुरक्षा बल राहत कार्य कर रहे हैं, चिकित्सा दल घायलों का इलाज कर रहे हैं और अधिकारी हमले के कारणों की जाँच कर रहे हैं। हाल के महीनों में जाफ़र एक्सप्रेस को कई बार निशाना बनाया गया है, जिससे इस क्षेत्र

में लगातार सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अगस्त 2025 में, बलूचिस्तान के मस्तुंग ज़िले में एक आईईडी विस्फोट में इसी ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं और सेवाएँ अस्थायी रूप से रुक गईं। इससे पहले, मार्च 2025 में, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के उग्रवादियों ने बोलन दर्रे में जाफ़र एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था और 400 से ज़्यादा यात्रियों को बंधक बना लिया था। इस हमले के दौरान, रेल पटरी को क्षतिग्रस्त करने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया, गोलीबारी हुई और स्थिति पर काबू पाने से पहले बंधकों और सुरक्षा बलों, दोनों को नुकसान हुआ। बलूचिस्तान एक अस्थिर प्रांत बना हुआ है, जहाँ अलगाववादी समूह बुनियादी ढाँचे, सुरक्षा बलों और परिवहन संपर्कों पर हमले करते रहते हैं। जाफ़र एक्सप्रेस जैसे हमलों की लगातार घटनाएँ सिंध और बलूचिस्तान के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में यात्रियों की सुरक्षा और स्थिरता, दोनों को लेकर चिंताओं को उजागर करती हैं।

अमेरिका में ट्रकों के आयात पर 1 नवंबर से 25% टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी सख्त टैरिफ नीतियों के लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। ताजा घटनाक्रम में उन्होंने ट्रकों के आयात पर शुल्क वसूलने का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि 1 नवंबर 2025 से अमेरिका में अन्य देशों से आने वाले सभी मीडियम और हेवी ड्यूटी ट्रकों पर 25: टैरिफ लगाया जाएगा।

ट्रंप के मुताबिक यह कदम अमेरिकी ट्रकिंग उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लगभग 73: घरेलू माल ढुलाई करता है। अमेरिका में लगभग 20 लाख लोग भारी ट्रक ड्राइवर के रूप में कार्यरत हैं। प्रमुख ट्रक निर्यातक देशों में मैक्सिको, कनाडा, जापान, जर्मनी और फिनलैंड शामिल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

तकनीक का भविष्य तय करेगा भारत–ब्रिटेन सहयोग, कीर स्टारमर की यात्रा का मकसद

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर 8 से 9 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस यात्रा के दौरान, श्री स्टारमर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ''क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों'' पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा गाजा और यूक्रेन में चल रहे युद्धों की पृष्ठभूमि में हो रही है। उनकी यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है क्योंकि यह भारत और ब्रिटेन द्वारा व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर करने के कुछ महीनों बाद हो रही है। ब्रिटेन के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की इस सप्ताह भारत यात्रा से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। ब्रिटिश भारतीय मंत्री नारायण ने स्टार्मर के आठ से नौ अक्टूबर को होने वाले भारत के पहले आधिकारिक दौरे से पूर्व कहा कि तकनीक के साथ–साथ अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत–ब्रिटेन सहयोग के लिए एक ''असाधारण नींव'' पहले ही रखी जा चुकी है। नारायण को हाल में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) का प्रभार सौंपा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। दोनों नेता मुंबई में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' के छठे संस्करण को संबोधित करेंगे और उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं एवं नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत करेंगे। नारायण ने कहा, ''प्रधानमंत्री की भारत यात्रा 'कनेक्टिविटी', एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में हमारे साझा हितों में महत्वपूर्ण प्रगति करेगी।'' उन्होंने कहा, ''भारत और ब्रिटेन अनुसंधान पर महत्व दे रहे हैं, साथ ही इन तकनीकों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनाने पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करते हैं। यह यात्रा व्यावहारिक सहयोग के साथ इस साझा ध्यान को और गहरा करने के लिए है।'' बिहार में जन्मे लेबर पार्टी के सांसद ने पिछले साल के आम चुनाव में वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद के रूप में चुने जाने पर इतिहास रचा था। नारायण इस बात से उत्साहित हैं कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र द्विपक्षीय साझेदारी के प्रमुख ध्यान वाले क्षेत्रों में से एक है और इसमें गठजोड़ की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों में सहयोग के लिए असाधारण आधार हैरू अनुसंधान साझेदारी, गहन और व्यक्तिगत इतिहास तथा भविष्य की निरंतर खोज। हम इनका उपयोग व्यावहारिक एआई और ऑनलाइन सुरक्षा अनुसंधान के विशिष्ट अवसरों में कर सकते हैं, अपनी कंपनियों और सार्वजनिक सेवाओं में एआई उत्पादों को अपना सकते हैं तथा यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि एआई और ऑनलाइन अनुभव भारत और ब्रिटेन के लोकतांत्रिक मूल्यों की पूर्ति करें।

भारत ने खोजी ट्रंप के 100प्रतिशत टैरिफ की काट, सारा माल रूस की तरफ मोड़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने ऐलान किया कि भारत समेत कई देशों से आने वाली दवाओं पर 100प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। मतलब कि अगर कोई दवा अमेरिका जाएगी तो उसकी कीमत दोगुनी हो जाएगी। ट्रंप ने इसे मेड इन अमेरिका को बढ़ावा देने की चाल बताई। लेकिन असल में ये फैसला भारत की बढ़ती फॉर्मा ताकत पर एक आर्थिक हमला था। लेकिन भारत ने इस वॉर को आर्थिक युद्ध नहीं बल्कि रणनीति के खेल में बदल दिया और आपदा को अवसर में तब्दील कर दिया। भारत सरकार और फॉर्मा इंडस्ट्री ने तुरंत चार दिशा में काम शुरू किया। नए बाजार में पहुंच बनाने से लेकर देश की उत्पादन को बढ़ावा देने तक। सप्लाई चेन को मजबूत

करने से लेकर ग्लोबल पार्टनर को मजबूत करने तक। भारत ने अपने सप्लाई लाइन को घुमा दिया। जो जहाज पहले अमेरिका जाते थे। वही जहाज अब यूरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और रूस की ओर निकल पड़े हैं। सन फॉर्मा, डॉक्टर रेडीज, सिप्ला और लुपिन जैसी भारतीय कंपनियां अब सीधे अफ्रीका, रूस और साउथ अमेरिका में दवाओं की सप्लाई करने उतर चुके हैं। यानी अमेरिका की बंद दीवार के सामने भारत ने नए दरवाजे खोल दिए हैं। अमेरिका ने जब भारत पर टैरिफ लगाया, चाल चली तो बाकी दुनिया ने भारत को गले लगा लिया। सबसे पहले भारत के यार रूस, फिर यूरोप और अब अफ्रीका ने भारत के साथ नई डील साइन कर ली। फ्रांस, जर्मनी, ब्राजील, मिस्र और इंडोनेशिया ने तो यहां तक कह दिया कि अगर दवा चाहिए तो रास्ता नई दिल्ली से होकर जाएगा। भारत की दवा कंपनियों ने अपनी क्षमता बढ़ा ली। डॉ रेड्डीज़ लैबोरेटरीज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डॉ रेड्डीज़ लैबोरेटरीज एलएलसी, रूस (डीआरएल रूस) में 565 करोड़ का निवेश किया और 45.19 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की। यह लेन–देन हैदराबाद स्थित कंपनी के बोर्ड द्वारा नवंबर 2024 में रूसी शाखा में 600 करोड़ तक निवेश करने के निर्णय का परिणाम है। बीएसई को सूचित किया गया कि यह निवेश 25 जुलाई, 2025 को नकद भुगतान पर पूरा हुआ। कंपनी द्वारा डीआरएल रूस में निवेशित धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा।

अमेरिकियों पर किस बात का गुस्सा उतार रहे ट्रंप ? विद्रोह कानून लागू करने की दे दी धमकी

इस बात से तो अब पूरी दुनिया अवगत हो गई है कि ट्रंप की फॉरेन पॉलिसी पूरी तरह से फेल हो गई है। चाहे उनके 24 घंटे के अंदर रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवाने के लंबे चौड़े दावे हो या हमास और इजरायल के बीच में झट से शांति करवाकर बंधकों की शीघ्र वापसी हो। इससे इतर भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की झड़प रही हो उसके सीजफायर को लेकर झूठे दावे से दुनिया को बरगलाने की कोशिश रही हो।

हर मोर्चे पर ट्रंप बुरी तरह से विफल साबित हो रहे हैं और कोई उनकी सुनता नहीं है और दुनिया में हंसी के पात्र बनकर रह गए हैं। अब वो अपना गुस्सा अमेरिका के ही लोगों पर निकाल रहे हैं। पहले तो उन्होंने लोगों को झूठ बोला कि 50प्रतिशत का टैरिफ भारत के ऊपर लग रहा है। लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि इसकी भरपाई कौन करेगा। जो भारत का सामान खरीदेगा उसे 50प्रतिशत का टैरिफ देना पड़ेगा। ट्रंप की बात छोटा सा देश इजरायल भी नहीं मान रहा। रूस, चीन और भारत तो पहले से ही अपनी स्वतंत्र और बेबाक नीति से ट्रंप का सिर दर्द बढ़ा रखा है। अब ऐसे में वो अपनी फौजे अपने शहर के भीतर डाल कर एक दहशत का मौहाल बना रहे हैं। वो ये दलील दे रहे हैं कि यहां पर बड़े बड़े गैंग्स हैं और क्रिमिनल चीजें होती हैं। ये एक तरह से पाकिस्तानी सोच का नतीजा है। पाकिस्तान में नागरिक इलाकों में फौज की मौजूदगी आम है। हो सकता है पाकिस्तान की संगत का असर अब ट्रंप की सोच पर भी पड़ने लगा हो। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे टर्म की शुरुआत से ही डेमोक्रेट पार्टी के कंट्रोल वाले शहरों को श्अपराध का अड्डाश बताकर नेशनल गार्ड की टुकड़ियां भेजनी शुरू कर दीं। ट्रंप का कहना है कि ये सैनिक इमिग्रेशन छापेमारी की रक्षा करेंगे, अपराध रोकेंगे और शांति लाएंगे। ट्रंप ने कहा, मेरे फैसले को अगर जज रोकेंगे तो इंसरैक्शन एक्ट लगाकर आर्मी भेज दूंगा. यानी अभी टकराव के हालात बने हुए हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, जब उनसे पूछा गया कि किन परिस्थितियों में वह 19वीं सदी के इस दुर्लभ कानून का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर ज़रूरी होता तो मैं ऐसा करता। हमारे पास विद्रोह अधिनियम एक वजह से है। अगर मुझे इसे लागू करना होता, तो मैं ऐसा करता। अगर लोग मारे जा रहे होते और अदालतें हमें रोक रही होतीं, राज्यपाल या महापौर हमें रोक रहे होते, तो ज़रूर, मैं ऐसा करता। मेरा मतलब है, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि लोग मारे न जाएँ। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे शहर सुरक्षित रहें।

विद्रोह अधिनियम क्या है?

1807 का विद्रोह अधिनियम राष्ट्रपति को विशिष्ट परिस्थितियों में नागरिक कानून प्रवर्तन के लिए अमेरिकी सेना को तैनात करने का अधिकार देता है और एनबीसी न्यूज़ के अनुसार, इसका अंतिम बार 1992 के लॉस एंजिल्स दंगों के दौरान इस्तेमाल किया गया था। विद्रोह अधिनियम का एक प्रारंभिक संस्करण 1792 में कांग्रेस द्वारा संघ के कानूनों को लागू करने, विद्रोहों को दबाने और आक्रमणों को पीछे हटाने के लिए मिलिशिया को बुलाने के लिए पारित किया गया था।

बदल रहा शक्तिसंतुलन, इशारों-इशारों में जयशंकर का अमेरिका पर निशाना

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों के कारण उत्पन्न आर्थिक व्यवधानों की पृष्ठभूमि में कहा कि वैश्विक व्यापार टैरिफ अस्थिरता से उलट गया है और अंतरराष्ट्रीय नियमों और व्यवस्थाओं पर पुनर्विचार किया जा रहा है या उन्हें त्याग दिया जा रहा है। भू–राजनीतिक परिदृश्य पर व्यापक परिवर्तनों के रणनीतिक परिणाम, जिनमें वैश्विक विनिर्माण का एक तिहाई हिस्सा चीन में स्थानांतरित होना और प्रौद्योगिकी हेरफेर के कारण संप्रभुता में कमी शामिल है, अपने संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल में अरावली शिखर सम्मेलन में जयशंकर के भाषण का केंद्र बिंदु थे। उन्होंने कहा कि अब वैश्विक परिदृश्य पर विचार करें और परिवर्तन की तीव्रता और उसके प्रभावों पर विचार करें। वैश्विक विनिर्माण का एक तिहाई हिस्सा एक ही भूगोल में स्थानांतरित हो गया है, जिसके परिणाम आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ रहे हैं। उन्होंने अमेरिका की व्यापार नीतियों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि कई समाजों में वैश्वीकरण विरोधी भावनाएँ बढ़ रही हैं। टैरिफ में उतार–चढ़ाव के कारण व्यापार गणनाएँ उलट रही हैं। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है, अमेरिका जीवाश्म ईंधन का एक प्रमुख निर्यातक और चीन नवीकरणीय ऊर्जा का एक प्रमुख निर्यातक बन गया है। डेटा के उपयोग और कृत्रिम मेधा के विकास पर कई प्रतिस्पर्धी मॉडल हैं, जो एक–दूसरे से टकरा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने आप में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गए हैं। कनेक्टिविटी के नए रास्ते उभर रहे हैं, जिनमें से कुछ रणनीतिक उद्देश्यों के साथ हैं। विदेश मंत्री ने प्रतिबंधों के इस्तेमाल, संपत्तियों की जब्ती और क्रिप्टो के आगमन को पूरी दुनिया के वित्त परिदृश्य को बदलने वाले तत्वों के रूप में सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि दुर्लभ मृदा और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई है, जबकि प्रौद्योगिकी नियंत्रण और भी कड़े हो गए हैं। जयशंकर ने कहा कि जहां अधिकांश देश इससे निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं या अपने हितों की रक्षा में व्यस्त हैं, भारत को ऐसी अस्थिरता के बीच रणनीति बनानी होगी और आगे बढ़ना जारी रखना होगा।

ऐतिहासिक प्रस्ताव के 25 साल बाद भी शांति वार्ताओं से महिलाएं अक्सर अनुपस्थित : संरा प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मंगलवार को इस बात पर चिंता जताई कि महिलाएं अक्सर शांति वार्ताओं से अनुपस्थित रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब शांति प्रयासों में महिलाओं की समान भागीदारी वाले संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक प्रस्ताव को जारी हुए 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने भी चिंता व्यक्त की है कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 67.6 करोड़ महिलाएं घातक संघर्षों के 50 किलोमीटर के दायरे में निवास कर रही हैं।

यह संख्या 1990 के दशक के बाद से सबसे अधिक है। संरा महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, ''पूरी दुनिया में हम सैन्य खर्च में परेशान करने वाले रुझान, अधिक सशस्त्र संघर्ष और महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ और भी अधिक चौंकाने वाली क्रूरता देख रहे हैं।'' गुतारेस ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2000 को इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद कुछ प्रगति अवश्य हुई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के रूप में वर्दीधारी महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई है। इसके अलावा महिलाओं ने स्थानीय मध्यस्थता का नेतृत्व किया है, लैंगिक–आधारित हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय को आगे बढ़ाया है और महिला संगठन संघर्षों से उबरने तथा सुलह को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुए हैं। गुतारेस ने कहा, लेकिन ये उपलब्धियां नाजुक हैं और यह बहुत चिंताजनक है कि वे विपरीत दिशा में जा रही हैं। गुतारेस ने स्पष्ट में कहा कि राष्ट्र अक्सर सुरक्षा परिषद जैसे कक्षों में दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता से भरे इकट्ठा होते हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वे शांति वार्ताओं में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने और संघर्षों में महिलाओं तथा लड़कियों को बलात्कार एवं यौन दुर्व्यवहार से बचाने की प्रस्ताव की मांग को पूरा करने में पूरी तरह से विफल हो जाते हैं। गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों से आग्रह किया कि वे संघर्षों में फंसी महिलाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रतिबद्धता को नए वित्त प्रदान करके, शांति वार्ताओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करके, यौन हिंसा के लिए जवाबदेही तय करके और उनकी सुरक्षा तथा आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करके पूरा किया जाना चाहिए।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई–यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल–अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल–अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।